Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -83 रविवार ,22 जनवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

महापुरूषों के चरण चिन्हों का अनुकरण करना ही हमारा कर्त्तव्य है।

-महर्षि अरविंद-

संक्षिप्त समाचार

एयरफोर्स कर्मी ने रेलवे को फोन करके दी बम होने की फर्जी सूचना

नई दिल्ली,21 जनवरी 2023(ए)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मुंबई राजधानी में बम होने के फोन से मुंबई राजधानी लगभग एक घंटे तक स्टेशन पर खड़ी रही। पुलिस ने ट्रेन की जांच करने के बाद ट्रेन को रवाना किया। जांच में पता चला की एक एयरफोर्स कर्मी की ट्रेन छूट रही थी और उसके भाई ने पुलिस को बम होने की झूठी सूचना दे दी। जीआरपी एयर फोर्स कर्मी से पूछताछ कर रही है।

सड़क से फिसलकर खाई में गिरी बस,5 लोगों की दर्दनाक मौत

जम्मू ,21 जनवरी 2023(ए)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार सुबह एक मिनीबस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में एक एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि कठुआ के बिलावर इलाके के सिला गांव में एक मिनी बस के चालक ने नियंत्रण खो दिया। मिनी बस खाई में गिर गई, इससे चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया, अस्पताल ले जाते समय एक घायल व्यक्ति की मौत हो गई। बस मोंडली से धनु परोल गांव जा रही थी।

पीएम मोदी की एक और अनोखी पहल

नेता ही नहीं बाहरी युवा भी सेंट्रल हाल में नेताजी को अर्पित करेंगे श्रद्धा सुमन

नई दिल्ली,21 जनवरी 2023(ए)। युवाओं के लिए संसद के दरवाजे खोलने के लिए कई अहम कदम उठाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसी ही एक और पहल के रूप में आगामी 23 जनवरी को 80 युवाओं को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर दिया है। इन युवाओं का चयन पूरे देश से किया गया है, जिनमें 35 लड़कियां और 45 लड़के शामिल हैं। इसके लिए एक व्यापक, उद्देश्यपरक और योग्यता आधारित प्रक्रिया का सहारा लिया गया। चयन दिशा पोर्टल और माइ गोव वेबसाइट में क्विज तथा जिला और राज्य स्तर पर भाषण प्रतियोगिता तथा नेताजी के जीवन और योगदान पर विश्वविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिता के आधार पर किया गया।

पीएम मोदी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को अधिक समझने पर दे रहे हैं जोर

पीएम लगातार इस पर जोर दे रहे हैं कि युवा पीढ़ी देश को स्वतंत्रता दिलाने वाले नेताओं के योगदान और बलिदान को

अधिक से अधिक जाने-समझे और उनके करीब महसूस करे। इसी सोच के तहत उन्होंने पिछले साल दो अक्टूबर को इस विचार को मूर्तरूप दिया गया कि युवा संसद के केंद्रीय हाल में राष्ट्रीय नेताओं की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

80 युवाओं को मिलने जा रहा है अवसर

मालूम हो कि पहले केवल गणमान्य लोगों को ही इसका अवसर मिलता था और इस परंपरा में आम लोग शामिल नहीं थे। समय के साथ इस तरह की रस्म अदायगी ने एक तरह से अपना महत्व खो दिया। नेताजी की जयंती पर सेंट्रल हाल में उनके प्रति सम्मान-आदर व्यक्त करने के लिए जिन 80 युवाओं को अवसर मिलने जा रहा है, उनमें 30 को उन पर बोलने का मौका भी मिलेगा। वक्ता पांच भाषाओं-हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, मराठी और बांग्ला में बोलेंगे।

गणतंत्र दिवस परेड के बनेंगे साक्षी

सेंट्रल हाल में मुख्य आयोजन के अतिरिक्त युवाओं को संसद को भी अंदर से देखने का मौका मिलेगा और इसके बाद लंच होगा, जिसका मुख्य आकर्षक मोटा अनाज होगा। युवाओं के लिए यह दिन वाकई यादगार रहने वाला है, क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री ने अपने आवास में भी आमंत्रित किया है। सभी 80 युवा शाम को पीएम से मिलेंगे। 24 जनवरी को वे जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक महोत्सव में भाग लेंगे। इसके बाद 25 जनवरी को उन्हें कर्तव्य पथ, नेशनल वार मेमोरियल, राजघाट, प्रधानमंत्री संग्रहालय जाने का अवसर मिलेगा। आखिर में वे 26 को गणतंत्र दिवस परेड के साक्षी बनेंगे।

महिला पर एसीबी की बड़ी कार्रवाई

50 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

उदयपुर ,21 जनवरी 2023(ए)। राजस्थान के उदयपुरवाटी की पंचायत समिति की प्रधान को एसीबी ने 50 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया है। प्रधान ने अपने देवर के जरिए शुक्रवार को रिश्वत की रकम ली। प्रधान माया गुर्जर पर यह कार्रवाई सीकर एसीबी की टीम ने की।

जानकारी के अनुसार परिवादी ने सीकर एसीबी की टीम को बताया कि पंचायत समिति प्रशासन द्वारा

उसको भुगतान नहीं किया जा रहा है। भुगतान करने के लिए उससे रिश्वत मांगी जा रही है।

चेंबर के बाहर देवर ने लिया रिश्वत

एसीबी टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया तो प्रधान माया गुर्जर ने कहा कि लेन-देन की बात उसके देवर भोलाराम गुर्जर से कर लो। पीड़ित ने देवर भोलाराम से बात करके शुक्रवार को रिश्वत की रकम देना तय हुआ। इसके बाद देवर प्रधान को लेकर पंचायत समिति कार्यालय पहुंचा, जहां प्रधान अपने चेंबर में चली गईं।

इसके बाद प्रधान के देवर ने पंचायत समिति के बाहर परिवादी से 50 हजार रुपए ले लिए। जिसके बाद एसीबी की टीम ने उसे पंचायत समिति के बाहर की पकड़ लिया। इसके बाद एसीबी टीम ने पंचायत समिति में कुर्सी पर बैठी प्रधान माया गुर्जर को हिरासत में ले लिया। एसीबी टीम डीएसपी राजेश जांगिड़ के नेतृत्व में कार्रवाई कर रही है

डीसीडब्ल्यू चीफ स्वाति मालीवाल ने ड्राइवर को घसीटकर दूसरी महिला को परेशान किया

नई दिल्ली,21 जनवरी 2023(ए)। महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने एक कार चालक द्वारा कथित रूप से घसीटे जाने के बाद आरोप लगाया है कि आरोपी ने हाल ही में एक अन्य महिला के साथ दुर्व्यवहार किया था। जैसा कि मालीवाल ने

आरोप लगाया और अपने मामले को आगे बढ़ाया, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर हमला किया और उन्हें हटाने की मांग की। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि मालीवाल के आरोप दिल्ली को बदनाम करने की साजिश है। अलग से, भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने डीसीडब्ल्यू प्रमुख के पद से मालीवाल को हटाने की मांग की ताकि मामले की निष्पक्ष जांच की जा सके। डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल ने आरोप लगाया कि गुरुवार तड़के एम्स दिल्ली के बाहर उन्हें एक कार द्वारा परेशान किया गया और 10-15 मीटर तक घसीटा गया। मालीवाल ने आरोप लगाया कि एम्स के बाहर उसे परेशान करने के आरोपी व्यक्ति ने इस महीने की शुरुआत में इसी तरह से एक अन्य महिला का शिकार किया था। उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, मुझे प्रताड़ित करने वाला अन्य महिलाओं को भी अपना शिकार बना चुका है।

आईपीजी ने निलंबित पायलट को बलि का बकरा बताया,कानूनी कार्रवाई पर विचार

नई दिल्ली,21 जनवरी 2023 (ए)। एयर इंडिया के पायलटों का निकाय आईपीजी विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा उड़ान के पायलट-इन-कमांड के लाइसेंस को निलंबित करने के संबंध में कानूनी सहारा और अन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है, जहां एक यात्री ने पिछले नवंबर में एक महिला सह-यात्री पर कथित रूप से पेशाब किया था। इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) के एक वरिष्ठ सदस्य, जो एयरलाइन के उन पायलटों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो बड़े आकार के विमान उड़ाते हैं, ने कहा कि वह संबंधित पायलट के निलंबन के मुद्दे को मजबूती से उठाएंगे।

पेशाब की घटना 26 नवंबर, 2022 को न्यूयॉर्क-दिल्ली उड़ान पर हुई थी और यह नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के संज्ञान में 4 जनवरी को ही आई थी। विभिन्न उल्लंघनों के लिए, डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, एयरलाइन के इन-फ्लाइट सेवाओं के निदेशक पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और पायलट-इन-

कमांड का लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया। आईपीजी सदस्य ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई-भाषा से कहा, हम पायलट के लाइसेंस निलंबन के लिए कानूनी कार्रवाई सहित सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम इस मुद्दे पर अपने वकीलों से बात कर रहे हैं और जल्द ही फैसला करेंगे।

सदस्य ने दावा किया कि संबंधित पायलट ने बहुत ही परिपक्वता से काम लिया है। ÷यह सब उस समय कंपनी को सूचित किया गया था। अगर इतना सब कुछ होने के बाद भी आपको लगता है कि पायलट ने कार्रवाई नहीं की है, तो हमें यह समझने की जरूरत है कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं और आप उसे क्यों दोषी पाते हैं। सदस्य ने यह भी आरोप लगाया कि पूरे मामले में बलि का बकरा खोजने का काफी दबाव है। वॉचडॉग ने एयर इंडिया के जवाबदेह प्रबंधक, इन-फ्लाइट सेवाओं के निदेशक, उस उड़ान के सभी पायलटों और केबिन क्रू सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि क्यों न उनके नियामक दायित्वों के उल्लंघन के लिए उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। डीजीसीए ने एयर इंडिया और इसमें शामिल कर्मियों के लिखित उत्तरों की जांच की और प्रवर्तन कार्रवाई पर निर्णय लिया।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बीच दो धमाकों से दहला जम्मू,कई लोग घायल

जम्मू ,21 जनवरी 2023(ए)। जम्मू में शनिवार को हुए दो विस्फोटों में छह लोग घायल हो गए। एडीजीपी (जम्मू जोन) मुकेश सिंह ने कहा कि जम्मू शहर के नरवाल इलाके में दो वाहनों में हुए दो विस्फोटों में छह लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। तलाशी के लिए इलाके को घेर लिया गया है। ये धमाके ऐसे समय में हुए हैं जब राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत

जोड़ो यात्रा जम्मू से गुजर रही है।जानकारी के मुताबिक, ट्रांसपोर्ट नगर के वार्ड नंबर 7 में पहला धमाका करीब 11ः00 बजे हुआ। इसके ठीक 15 से 20 मिनट बाद इसी इलाके में दूसरा धमाका हुआ। प्रारंभिक जांच में इन दोनों धमाकों में स्टिकी बम के इस्तेमाल होने की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। अभी पक्के तौर पर धमाके की वजह पता नहीं चल पाई है। पुलिस घटनास्थल पर घेराबंदी कर जांच में जुटी है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। ब्लास्ट के बाद जम्मू पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

महिला पुलिस कर्मियों ने बुजुर्ग टीचर पर चलाई जमकर लाठियां

इतनी सी गलती पर फूट पड़ा गुस्सा

कैमूर, 21 जनवरी 2023(ए)। । बिहार के कैमूर जिले से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दो महिला पुलिसकर्मी बेरहमी से एक बुजुर्ग को पीटती हुई दिखाई दे रही हैं। मामूली बात पर महिला पुलिसकर्मियों को जमकर पीट दिया। हालांकि, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और अब कार्रवाई की बात कर रही है। कैमूर के एसपी ने कहा कि इस मामले में कार्रवाई करेंगे।

इस बीच, विपक्षियों ने भी बिहार की नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। प्रशांत किशोर ने ट्वीट किया, 'कैमूर जिले के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने वाले इस बुजुर्ग सज्जन की गलती

सिर्फ इतनी थी की साइकिल से गिर गए और उठने में थोड़ी देर हो गई। ये नीतीश कुमार के अधिकारियों का जंगलराज है। चोर-उच्चके राज कर रहे हैं और जनता पर लाठियां बरसाई जा रही हैं।'

ये वीडियो कैमूर जिले के भभुआ का बताया जा रहा है। यहां ड्यूटी पर तैनात दो महिला पुलिसकर्मियों ने बुजुर्ग पर लाठियों की बरसात कर दी। जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग का नाम नवल किशोर पाण्डेय है. वो डीपीएस स्कूल में पढ़ाते हैं।

बताया जा रहा है कि बुजुर्ग टीचर ट्रैफिक जाम के दौरान सड़क पार कर रहे थे। उसी वक्त महिला सिपाहियों से कुछ बहस हो गई। इस बात को महिला सिपाहियों ने अपनी आन पर ले लिया और बुजुर्ग पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसा दीं. लोग पुलिस की बर्बरता पर सवाल उठा रहे हैं।

26 जनवरी को लॉन्च होने वाला पहला भारतीय इंट्रानेजल कोविड वैक्सीन

नई दिल्ली,21 जनवरी 2023 (ए)। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कृष्णा एल्ला ने शनिवार को भोपाल में कहा कि स्वदेशी वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक 26 जनवरी को भारत में अपनी तरह का पहला इंट्रानेजल

कोविड-19 वैक्सीन आईएनसीओवीएसीसी लॉन्च करेगी। भोपाल में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, एल्ला ने यह भी कहा कि मवेशियों में ढेलेदार त्वचा रोग के लिए घरेलू टीका, लुम्पी-प्रोवाइंड, अगले महीने लॉन्च होने की संभावना है। एल्ला ने मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित आईआईएसएफ के %फेस-टू-फेस विद न्यू फ्रंटियर्स इन साइंस सेगमेंट में भाग लेते हुए कहा, हमारा नाक का टीका आधिकारिक तौर पर 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर लॉन्च किया जाएगा। मैनिट)। दिसंबर में, भारत बायोटेक ने घोषणा की कि वह इंट्रानेजल वैक्सीन को सरकार द्वारा खरीद के लिए 325 रुपये प्रति शॉट और निजी टीकाकरण केंद्रों के लिए 800 रुपये प्रति शॉट के हिसाब से बेचेगी।

बहन की डोली के साथ भाई की अर्थी को दिया गया कंधा,रो पड़ा पूरा गांव

कटिहार, 21 जनवरी 2023 (ए)। बिहार कई सालों से पलायन की मार झेल रहा है। यहां के युवा रोजगार की तलाश में बिहार से दूसरे राज्यों में जाते हैं क्योंकि बिहार में रोजगार मिलना उनके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल होता है। मामला बिहार के

कटिहार का है जहां नौकरी की तलाश में चंडीगढ़ गए एक शख्स की एक्सीडेंट में मौत हो गई और घर पर उसकी आर्थी उस दिन पहुंचती है जिस दिन मृत युवक के बहन की शादी होती है।

भाई की मरने से शादी की खुशियां मौत के मातम में बदल गई, जिस घर से बहन की डोली उठने वाली थी उसी घर से भाई की अर्थी उठानी पड़ी। मामला बिहार के कटिहार के हसनगंज प्रखंड का है। हसनगंज के पोखरिया गांव में रहने वाले वरुण नाम के एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वरुण नौकरी की तलाश में चंडीगढ़ गया था जहां एक अनियंत्रित ट्रक वरुण से टकरा गया और उसकी मौत हो गई।

इस दुखद हादसे में वरुण के साथ एक और शख्स बुरी तरह से घायल हो गया। दुर्घटना में घायल दूसरा शख्स बिहार के पूर्णिया जिले का बताया जा रहा है। दूसरा शख्स फिलहाल जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है। वरुण की अर्थी उसके घर उसी दिन पहुंचती है जिस दिन उसकी चचेरी बहन की शादी होती है। शादी के कार्यक्रम को बीच में रोककर परिवार और गांव वालों ने वरुण की अर्थी को कंधा दिया। इस दुखद हादसे से सिर्फ घरवालों को भी धक्का नहीं लगा बल्कि पूरे गांव की आंखों में आंसू दिखाई देने लगें। आपको बता दें कि अर्थी घर से निकलने के बाद शादी की बाकी रस्में पूरी की गई और दूल्हा-दुल्हन को विदा किया गया।

4 साल का प्यार है,शादी करके जाउंगी

प्रेमी के घर के बाहर 60 घंटे से धरने पर बैठी लड़की की जिद

धनबाद,21 जनवरी 2023 (ए)। धनबाद के राजगंज में अपने प्रेमी के घर के आगे 60 घंटे से धरने पर बैठी युवती को पुलिस जबरन उठाकर थाना ले गई। उसके पिता के बयान पर पुलिस ने उसके प्रेमी महेशपुर गांव निवासी उत्तम महतो के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत दर्ज की है, लेकिन युवती का कहना है कि वह नहीं चाहती कि उसका प्रेमी जेल जाए.

वह तो उससे शादी करना चाहती है। बता दें कि प्रेमी की बेवफाई से आहत युवती उसके घर के आगे बीते मंगलवार से धरने पर बैठी थी। कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे बैठी इस लड़की को मनाने के लिए मुहल्ले के लोग तो आगे आए, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही। लड़की के धरना पर बैठने की खबर मिलते ही उसका प्रेमी फरार हो गया।

लड़की के मुताबिक राजगंज का महेशपुर गांव निवासी उत्तम महतो और उसके बीच पिछले चार साल से मोहब्बत का रिश्ता है। वह धनबाद में एसएसएलएनटी कॉलेज में पढ़ती थी, तभी उत्तम के संपर्क में आई थी। इस बात की जानकारी दोनों के परिवार वालों को भी थी. उसने उससे शादी का वादा किया था।

दोनों एक-दूसरे के परिजनों के घर भी एक साथ कई बार गये हैं। दोनों परिवारों के बीच शादी पर सहमति भी बन गई थी और इसकी तारीख भी तय हो गई, लेकिन तय तारीख से 20 दिन पहले उत्तम ने शादी से इनकार कर दिया। जब युवती को कोई रास्ता नहीं दिखा तो वह अपनी दादी और अन्य रिश्तेदारों के साथ अपने प्रेमी के गांव महेशपुर पहुंची और युवक के घर के बाहर बैठ गई। इसके बाद उत्तम फरार हो गया और उसके घर वालों ने घर का दरवाजा बंद कर लिया।

युवती की जिद थी कि उत्तम से कम से कम एक बार उसकी बात कराई जाए। स्थानीय मुखिया सहित कई लोगों ने युवती को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ी है।

गांव वालों ने उसे कंबल आदि दिए थे। मुखिया ने इसकी सूचना राजगंज पुलिस को दी थी। इसके बाद गुरुवार देर रात महिला पुलिस उसे जबरन उठाकर थाना ले गई। बाद में उसे उसके परिजनों के साथ भेज दिया गया।

संपादकीय

ये सीधा प्रहार है

जजों की नियुक्ति के मामले में न्यायपालिका किस हद स्वतंत्र या स्वायत्त रहे, यह एक गंभीर प्रश्न है, जिस पर सार्वजनिक विश्वास के वातावरण में राष्ट्रीय आम सहमति बनाते हुए निर्णय लिया जा सकता है।

केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजुजू का कॉलेजियम में सरकार के प्रतिनिधि की भागीदारी के लिए सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखना न्यायिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार माना जाएगा। यहां मुद्दा कॉलेजियम के औचित्य का नहीं है। उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम की वैध और उचित आलोचनाएं मौजूद हैं। इस व्यवस्था पर लोकतांत्रिक माहौल में और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत पुनर्विचार करने की जरूरत है, इस बात से बगैर इनकार किए भी यह कहा जा सकता है कि केंद्र ने जो तरीका अपनाया है, वह न सिर्फ आपत्तिजनक, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत शक्तियों के अलगाव के सिद्धांत के लिए खतरनाक भी है। यह कदम उस समय उठाया गया है, जब समाज में आम धारणा है कि मेनस्ट्रीम मीडिया पर सत्ता पक्ष का पूरा नियंत्रण हो चुका है और निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाएं उसके प्रभाव में आ चुकी हैं। मानव अधिकार और महिला आयोग जैसी संस्थाओं का पक्षपातपूर्ण रुख भी विभिन्न मौकों पर सामने आया है।

सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां तो सीधे सरकार के हाथ में हैं, जिन पर आरोप है कि वे सत्ता पक्ष के राजनीतिक हितों के मुताबिक काम कर रही हैं। न्यायपालिका ने ऐसा नहीं कर रही है, इसे भी आज कोई भरोसे के साथ नहीं कहता। बहरहाल, ये जो तमाम बातें हैं, वे धारणा या एक राय के रूप में समाज में मौजूद हैं। जबकि सरकार का सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिख कर कॉलेजियम में प्रतिनिधित्व के लिए दावा जताना एक ठोस कार्रवाई है। प्रश्न है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट की 1990 के दशक में दी गई व्यवस्थाएं अस्तित्व में हैं, सरकार किस कानून या संवैधानिक प्रावधान के तहत ऐसा दावा जता सकती है? जजों की नियुक्ति के मामले में न्यायपालिका किस हद स्वतंत्र या स्वायत्त रहे, यह एक गंभीर प्रश्न है, जिस पर सार्वजनिक विश्वास के वातावरण में राष्ट्रीय आम सहमति बनाते हुए निर्णय लिया जा सकता है। जबकि सरकार ने बिना ऐसा किए अपनी तरफ से कदम उठा दिया है। इसलिए इसको लेकर संदेह रखने और इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर प्रहार मानने का पर्याप्त आधार बनता है। इसीलिए इस कदम को समाज का एक हिस्सा लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी मानेगा।

ऑक्सफैम रिपोर्ट : अमीरों पर लगे ज्यादा टैक्स

भारत में आर्थिक असमानता की खाई और चौड़ी हो गई है। ऑक्सफैम-2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश के 1प्रतिशत अमीरों के पास 40 प्रतिशत आबादी से ज्यादा संपत्ति है।

रिपोर्ट के अनुसार 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, वहीं 2022 में यह आंकड़ा 166 पर पहुंच गया। इस तरह दो वर्ष में देश में 64 अरबपति बढ़ गए। रिपोर्ट से स्पष्ट है कि कुछ लोगों की संपत्ति में भारी वृद्धि हुई है, तो करोड़ों लोग और भी गरीब हुए हैं। आय असमानता कल्याणकारी राज्य की सबसे बड़ी विडंबना है। भारत में असमानता को कम करने के लिए संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में विशिष्ट प्रावधान किए गए हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 38(1) एवं अनुच्छेद 39 (1) असमानता को दूर करने के लिए सरकारों को स्पष्ट निर्देश प्रदान करता है। इसके बावजूद भारत में हाल के वर्षो में जिस तरह आर्थिक असमानता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, वह चिंताजनक है। सरकार को अपनी कर प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। हाल के समय में कॉरपोरेट टैक्स में कमी की गई, वहीं दूध-दही जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं के जीएसटी में वृद्धि की गई। कॉरपोरेट टैक्स में कमी करते हुए सरकार ने कहा था कि इससे नये निवेश को आकर्षित करने में मदद मिलेगी।

लेकिन कंपनियों ने कॉरपोरेट टैक्स में छूट का लाभ तो लिया पर निवेश में कमी अभी चिंता का विषय बनी हुई है। 64 फीसदी जीएसटी 50 फीसदी गरीब दे रहे हैं, जबकि अमीर केवल 10त्न। स्पष्ट है कि अप्रत्यक्ष करों के संदर्भ में सरकार को अत्यंत संवेदनशील होने की जरूरत है। प्रगतिशील कर प्रणाली मूलतः आय आधारित होती है। प्रत्यक्ष कर में तो इसका पालन हो जाता है परंतु अप्रत्यक्ष कर की चपेट में देश का निर्धनतम व्यक्ति भी आ जाता है। इसलिए सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह जीवनोपयोगी वस्तुओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखे।

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अरबपतियों की संपत्ति पर दो फीसदी टैक्स लगाया जाए तो तीन साल तक कुपोषण के शिकार बच्चों के लिए सभी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। भारत के 10 सबसे अमीरों पर एक बार 5त्न कर लगाया जाए तो 1.37 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बजट से 1.5 गुना अधिक है। स्पष्ट है कि अमीरी-गरीबी के खाई को समाप्त करने के लिए सरकार को कॉरपोरेट टैक्स छूट पर पुनर्विचार करना चाहिए और अतिरिक्त प्रगतिशील संपत्ति कर अरबपतियों पर लगाना चाहिए। धन के पुनर्वितरण को अधिक न्याय-संगत बनाने के लिए वर्तमान नवउदारवादी मॉडल को 'नॉर्डिक आर्थिक मॉडल' से प्रतिस्थापित किया जा सकता है। नॉर्डिक आर्थिक मॉडल में सभी के लिए प्रभावी कल्याण, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा का मौलिक अधिकार और अमीरों के लिए उच्च कर दर इत्यादि शामिल हैं।

आवश्यक है कि जहां विकास दर तीव्र हो, वहीं रोजगारोन्मुखी भी हो। देश बेरोजगारी और महंगाई की समस्याओं से जूझ रहा है। जब सामान्य लोगों की क्रय क्षमता कम हो तो महंगाई लोगों के जीवन स्तर को कम कर देती है। इससे अमीरी-गरीबी के खाई बढ़ती है। आर्थिक विषमता के खात्मे के लिए वंचितों के राजनीतिक सशक्तीकरण की भी आवश्यकता है। राजनीतिक सक्षमता वाले लोग बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा की मांग करके इन्हें प्राप्त कर सकेंगे। भारत में अधिकांश रोजगार असंगठित क्षेत्र में है, और वह क्षेत्र नोटबंदी, जीएसटी और लॉकडाउन से अब तक उभर नहीं पाया है। इसलिए आर्थिक समानता के लिए इस क्षेत्र पर जोर देना आवश्यक है।

दुनिया भर के आर्थिक विशेषज्ञों में इस बात पर सहमति बढ़ रही है कि आर्थिक विकास समावेशी नहीं है, और उसमें टिकाऊ विकास के तीन जरूरी पहलू-आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण-शामिल नहीं हैं, तो वह गरीबी कम करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र के टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में 10वें लक्ष्य का उद्देश्य बढ़ती असमानता को कम करना रखा गया है।

वर्तमान में आर्थिक असमानता से उबरने का सबसे बेहतर उपाय यही होगा कि वंचित वर्ग को अच्छी शिक्षा, रोजगार उपलब्ध कराते हुए सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इसके लिए कल्याणकारी योजनाओं पर ज्यादा खर्च करने की जरूरत है।

राहुल लाल

जोशीमठ की आपदा

उत्तराखण्ड के जोशीमठ शहर में जो दिख रहा है, वह कई तरह के आपातकाल और विध्वंसकाल की चेतावनी है। भू-स्खलन हो रहा है। ग्लेशियर पिघल कर स्थान बदल रहे हैं। और मलबे मिट्टी के पहाड़ों पर शहर बसे हैं। जिंदगी और दुनिया आबाद है, लेकिन अब लोग बेघर हो रहे हैं। जोशीमठ में 678 घर खतरनाक स्थिति में हैं, लिहाजा खाली कराए जा रहे हैं। अभी तक 81 मकान खाली कराए जा चुके हैं, सिलसिला जारी है और उनमें रहने वालों को शिफ्ट किया जा रहा है। जिंदगी विस्थापित हो रही है। यह अनुभव चार दशक पहले भी भयावह और असुरक्षित था और आज भी त्रासदी के मुहाने पर है। तब भू-वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों ने जो रपटें सरकार को दी थीं, वे कहीं धूल फांक रही होंगी, क्योंकि निर्माण, बुनियादी ढांचे, सुरंगें, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल लाइन आदि के जरिए विकास के बिम्ब उभारना सरकार की योजनाओं में शामिल था। बीते कुछ अंतराल में गढ़वाल हिमालय में जो आर्थिक और मानवीय नुकसान सामने आए हैं, उनसे साफ हो गया था कि ऐसे विकास में सरकार को पर्यावरण संबंधी खामियाजा भुगतना पड़ेगा, जीडीपी का भारी पतन होगा, लेकिन पहाड़ों का छलनी किया जाना, विस्फोटों से सुरंग बनाना, पहाड़ को क्षत-विक्षत कर रेलवे लाइन बिछाना और पनबिजली तथा खनन माफिया की मुनाफाखोरी जारी रही। आज खौफनाक मंजर सामने दिख रहा है। जोशीमठ का महत्व सांस्कृतिक, पौराणिक, आध्यात्मिक और सामरिक है। सिर्फ 40 किलोमीटर की दूरी पर चीन की सीमा है। इसे भगवान विष्णु का दूसरा घर माना जाता था। आदि शंकराचार्य ने भारत में हिंदुत्व के जो चार मठ स्थापित किए थे, उनमें से एक ज्योतिर्मठ इसी शहर का प्राचीन नाम था। विष्णु अवतार नरसिंह भगवान भी अपना गुस्सा शांत करने इसी पहाड़ पर आये थे । लोग उनके मन्दिर में पूजा करते हैं। आज शिवलिंग भी खंडित हो गया है, लिहाजा श्रद्धालु उसे देखकर रो रहे हैं और किसी अनिष्ट की कल्पना से कांप रहे हैं। उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने खाली हो चुके और दरारों से फटे मकानों को ध्वस्त करने के आदेश भी दे दिए हैं। जो आशियाने थे, वे अब मलवा हो जाएंगे। सिर्फ जोशीमठ ही नहीं, राज्य के अन्य 70 स्थानों और गांवों के लोगों ने भी घरों, ज़मीन में दरारों की शिकायतें की हैं। टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमौली जिलों के हालात भी जोशीमठ सरीखे हो सकते हैं। वहां भी पहाड़ को छिन्न-भिन्न किया गया है। कुल 35,000 परिवारों पर अचानक संकट आ पसरा है। किस- किस पहाड़ी स्थल को ध्वस्त करेंगे, खाली कराएंगे और मलबे मिट्टी में तबदील होता देखते रहेंगे? कमोबेश सभी पहाड़ों को छलनी किया जा रहा है। पहाड़ों पर अप्रत्याशित, अवांछित बोझ है। विकास के नाम पर पहाड़ों को चीर-चीर कर महानगरीय बनाने की भूख पहाड़ों को जिंदा कहां रहने देगी?

अजय दीक्षित

खेलों के पीछे खेल अधिकारियों का शर्मनाक खेल

देश के जो खिलाड़ी विदेशी सरजमीं पर तिरंगे का मान बढ़ाते आए हैं. उन्हें अपने अधिकारों के लिए जंतर मंतर पर धरना देना पड़ रहा है. क्या ऐसे देश खेलों में आगे बढ़ेगा जहां लगातार खेल दुनिया में यौन उत्पीड़न के विवाद बढ़ते जा रहे हैं. देश को मेडल दिलाने वाले इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं. बात हो रही पहलवानों की जो कुश्ती महासंघ से दो-दो हाथ करने उतरे हैं. तो आखिर इस लड़ाई का अंजाम क्या होगा?

किसकी सरकार है या किसकी थी, ये मुद्दा नहीं है. सवाल ये है कि महिला प्लेयर के साथ हर फेडरेशन क्रिकेट से लेकर कुश्ती तक, यौन शोषण होता है. मुद्दा महिला खिलाड़ियों की सम्मान एवं मानसिक, शारीरिक सुरक्षा का है. साथ ही फेडरेशन को खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षित जगह बनाने का है.अगर बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हुई तो महिला खिलाड़ियों में खेल के प्रति रुझान खत्म हो जायेगा. उनका मनोबल गिर जायेगा. महिलाओं की खेलों में भागीदारी कम हो जायेगी. देश की प्रतिष्ठा और महिला खिलाड़ियों की अस्मिता का सवाल है. क्यों राजनीति में दम तोड जाती है प्रतिभाएं, खेलों में राजनीति के सक्रिय होने से प्रतिभावान खिलाड़ियों को दबाया जाता है, खिलाड़ी हमेशा खेल अधिकारियों के दवाब में रहते है. खेलों में मेहनत करने वालों की प्रतिभाएं दबकर रह जाती हैं आवाज़ उठाने पर ख़त्म कर दिया जाता है.

सर्वोच्च खेलों में पदक विजताओं द्वारा बोर्ड पर ऐसे आरोप और धरने के बाद जांच का आश्वासन देना बोर्ड और सरकार दोनों का चरित्र स्पष्ट कर रहा है. जो बोर्ड है वहीं सरकार है इसलिए सरकार क्या बोर्ड अध्यक्ष को हटाएगी क्या निष्पक्ष जांच होगी. डब्ल्यूएफआई का अध्यक्ष एक सांसद है और भारत के लगभग सभी खेल बोर्डों के अध्यक्ष राजनीतिक व्यक्ति है इसलिए खेलों में विशेष प्रगति और विकास के लिए अध्यक्ष का पूर्व खिलाडी होने की मांग भी जोर पकड़ रही है. वैसे भी ऐसे संघों-संस्थाओं पर राजनेता नहीं, खेल प्रतिभाओं को विराजमान करना चाहिए. इन संस्थाओं में पदाधिकारियों का कार्यकाल भी निश्चित होना चाहिए एवं एक टर्म से ज्यादा किसी को भी पद-भार नहीं दिया जाना चाहिए. भारत के लिये कुश्ती ही एक ऐसा खेल है, जो चाहे ओलंपिक हो या राष्ट्रमंडल खेल, सबसे अधिक पदक ले आता है. खिलाड़ियों की फंडेशन नेताओं की नहीं खिलाड़ियों की ही बननी चाहिए. इसमें सीनियर खिलाड़ी होने चाहिए ना कि नेता यह हमारे देश के वह खिलाड़ी है जिन्होंने हमारे भारत देश का नाम चमकाया है. गोल्ड मेडल लेकर आए हैं.

इस खेल ने दुनिया में भारतीय खेलों का परचम फहराया है, भारत के खेलों को एक जीवंतता एवं उसकी अस्मिता को एक ऊंचाई दी है. इसके खिलाड़ी अपने जुनून के बल पर

विजयी होते रहे हैं. इस तरह दुनिया भर में भारतीय पहलवानों ने देश का खेल ध्वज एवं गौरव को ऊंचा किया है तो ऐसे में अगर कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और प्रशिक्षकों पर महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण का आरोप लग रहा है, तो इससे दुनिया भर में भारत की बदनामी हो रही है. यह एक बदनुमा दाग है, एक बड़ी त्रासद स्थिति है. शर्म का विषय है. धरने पर बैठे यही खिलाड़ी जब पदक जीतकर आते है तब खुद राजनीतिज्ञ इन्हे बुलाकर सबके माइक सेट कर करके मीडिया प्रोपगेंडे के लिए सबकी बड़ी सराहना करते है लेकिन जब ये खिलाड़ी खुद के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के खिलाफ धरने पर बैठते है. उस समय बड़ी तत्परता दिखाने वाले राजनीतिज्ञों को सांप सूंघ जाता है ऐसा क्यों?

भारत में खेलों एवं खिलाड़ियों की उपेक्षा का लम्बा इतिहास है. खेल संघों की कार्यशैली, चयन में पक्षपात और खिलाड़ियों को समुचित सुविधाएं नहीं मिलने के आरोप तो पहले भी लगते रहे हैं, लेकिन ताजा मामला ऐसा है जिसने कुश्ती महासंघ ही नहीं, बल्कि तमाम खेल संघों की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. लड़कियों एवं देश के युवा खिलाड़ियों के साथ गलत व्यवहार करने वाले सांसद को तत्काल उनके पद से हटाकर उनसे इस्तीफा लिया जाए और उसके बाद निष्पक्ष जांच एवं कानूनी कार्यवाही की जाए. जिससे देश के युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास एवं मनोबल देश के ऊपर बना रहे और विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन हो ऐसे जिन्होंने हरकत करने वाले सांसद विधायक मंत्री या अधिकारी कोई भी हो तत्काल उसे उसके पद से हटाकर उस से इस्तीफा ले लिया जाए.

यही देश के युवाओं के लिए सही कार्य होगा. इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि सरकार की बंदिशों के बावजूद अधिकांश खेल संघों पर राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों का ही कब्जा है. इनमें बड़ा भ्रष्टाचार व्याप्त है, जो वास्तविक खेल प्रतिभाओं को आगे नहीं आने देती. इन पदाधिकारियों की चिंता खेलों के विकास से अधिक अपने विकास की रहती है. इनका अधिकांश समय भी कुर्सी पर बैठे राजनेताओं को खुश करने एवं खेल संघों की राजनीतिक जोड़-तोड़ में ही व्यतीत होता है. खिलाड़ियों से अधिक तो ये पदाधिकारी सुविधाओं का भोग करते हैं, विदेश की यात्राएं करते हैं. पीड़ित खिलाडियों को भी यदि पक्के सबूत है तो उन सबूत को देश और देश के न्यायालय के सामने रखने चाहिए.

जो भी है आरोप बेहद गंभीर है, निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और आरोप सिद्ध होता है तो कड़ी सजा मिलनी चाहिए, देश के सभी बोर्डों की कार्यकारिणी भंग कर ऐसा कानून बनाया जाना चाहिए कि खेल बोर्डों में अराजनीतिक और खेल बैकग्राउंड लोग ही चुने जाए. सबसे ज्यादा चिंताजनक बात है कि अगर देश का गर्व एवं गौरव बढ़ाने वाली महिला पहलवानों को अगर अपने सम्मान की रक्षा के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है, तो हमारे खेल संघों की कार्यप्रणाली भी कटघरे में आ जाती है. जहां देश के खिलाड़ियों के मन में अपने संघों-खेल संस्थाओं के लिये गर्व एवं सम्मान का भाव होना चाहिए, जबकि उनमें तिरस्कार एवं विद्रोह का भाव है तो यह लज्जा की बात है. साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि समय-समय पर खेल जगत से ऐसे आरोप क्यों लगते रहते हैं. क्यों महिला खिलाड़ी यौन शोषण का शिकार होकर भी चुप रहती है कि कहीं उनका कैरियर खत्म न कर दिया जाये. भविष्य में ऐसा न हो और देश की बेटियां सुरक्षित महसूस करते हुए खेल में कैरियर बनाएं, यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न फेडरेशनों के अंदर कारगर तंत्र बनाने पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए.

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,
हिसार
(हरियाणा)

देश के लोगों में अध्ययन हेतु अभिप्रेरणा की कमी

किताबें हम सभी की हिस्सा है; चाहे वह प्रारंभिक विद्यालयीन जीवन हो या फिर आम जीवन हो। किताबें हमारे जीवन की अभिन्न हिस्सा है। बात करें ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की तो गुप्त काल शिक्षा एवं साहित्य के विकास का भी युग था। गुप्तकालीन अभिलेखों में 14 प्रकार की विधाओं का उल्लेख है, जिनकी शिक्षा दी जाती थी। पाटलिपुत्र, वल्लभी, उज्जैनी, काशी और मथुरा इस समय के प्रमुख शैक्षिक केंद्र रहे हैं। नालंदा महाविहार की भी स्थापना इसी काल में गढ़ी गई, जो समय के साथ आगे चल कर विश्वविख्यात शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ। साहित्य के उत्थान के दौर में देखें तो गुप्त काल संस्कृत-भाषा एवं साहित्य के विकास के नजरिये से अद्वितीय समय रहा है। संस्कृत भाषा, अभिजात वर्ग के लिए प्रमुख भाषा बन गयी। मुद्राओ एवं अभिलेखों में इसका व्यवहार होने लगा। संस्कृत में ही धार्मिक ग्रंथों,नाटको एवं प्रशस्तियो की रचना हुई। अनेक पुरानो की रचना इसी काल में हुई। गुरु के ज्ञान देने की कला का इतना जबरदस्त प्रभाव की प्रत्येक शिष्य के मुखाग्र शिक्षाओं का ज्ञान होता था तभी उसे शिक्षा पारंगत् माना जाता था।

यानी किताबों में ज्ञान को जकड़ने की परम्परा आधुनिक दौर में चीनीयों के कागज और गुटनबर्ग के छपाई के आविष्कार से प्रारंभ हुई। पठन के प्रति ललक की बानगी आज डिजिटल युग में भी कम नहीं है। पॉपुलेशन रिव्यू के 2017 के रिपोर्ट के अनुसार, भारत सप्ताह भर में पढ़ने के दृष्टिकोण से पहले स्थान पर है। भारत के लोग प्रति सप्ताह लगभग 10 घंटे और 42 मिनट पढ़ने में अपना समय व्यतीत करते हैं। यह प्रति वर्ष 556.4 घंटों के समान है। थाईलैंड, नंबर दो पर है और साप्ताहिक पढ़ने की दर कुल 9 घंटे और 24 मिनट है। चीन, तीसरे स्थान पर आता है, सप्ताह में 8 घंटे या प्रति वर्ष 416 पढ़ता है। फिलीपींस के लोग प्रति सप्ताह 7 घंटे 36 मिनट की सामग्री पढ़ते हैं। यह प्रति वर्ष 395.2 के बराबर है। मिस्र, यह देश प्रति सप्ताह 7 घंटे और 30 मिनट या प्रति वर्ष 390 मिनट पढ़ता है। लाजमी है की पढ़ना तो अच्छी बात है। लेकिन ये सर्वे औसत पढ़ने की बात को बयान करता है। लेकिन क्या पढ़ते हैं? जैसे अखबार, इंटरनेट संकलन या फिर पुस्तक इसकी व्याख्या नहीं करता है।

इसे ऐसे समझने का प्रयास करते हैं। किताबों के बाजार की दुनिया में टटोलें तो संयुक्त राज्य अमेरिका - जाहिर तौर पर प्रति वर्ष लगभग 2 लाख 75 हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ता है। वे पुस्तक खरीदारों के बाजार में हिस्सेदारी का 30 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। चीन - प्रति वर्ष औसतन 2 लाख से अधिक पुस्तकें पढ़ता है, और यह खरीदी गई सभी पुस्तकों का लगभग 10 फीसदी है।यूनाइटेड किंगडम - यह राष्ट्र हर साल लगभग 1 लाख 88 हजार किताबें पढ़ता है। इस देश में किताबों की रिकॉर्ड बिक्री कम से कम 212 मिलियन तक पहुंच गई। जापान - प्रति वर्ष औसतन 1 लाख 39 हजार से अधिक किताबें पढ़ता है। यह कुल बाजार हिस्सेदारी का लगभग 7 फीसदी है।

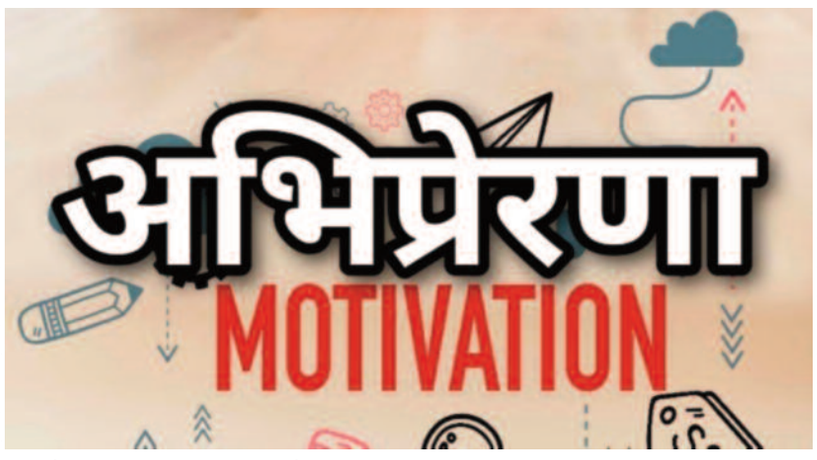

भारत इस श्रेणी में पीछे हैं। कहने का तात्पर्य यह है की अच्छी रीडिंग है बिट्स के बावजूद भी भारतीय पुस्तकें खरीदने में कम व्यय करते हैं। किताबें हमारे जीवन को प्रभावित करती हैं, वे हमें अंतर्दृष्टि देती हैं कि दूसरे लोग कैसे रहते हैं? वे हमारे विश्वदृष्टि को व्यापक बनाते हैं। वे राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं। वे हमें दिखाते हैं कि बेहतर लोग कैसे बनें, और वे हमें अकेला महसूस न करने में मदद करते हैं। किताबों का अध्ययन चाहे आप इसे काम के लिए कर रहे हों या आनंद के लिए, पढ़ना आपके मस्तिष्क, स्वास्थ्य और सामान्य तंदुरूस्ती के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। यहां तक कि यह आपको अपने आसपास के लोगों के प्रति अधिक दयालु बना सकता है। पढ़ने की समझ बढ़ाने के लिए, आप जो पढ़ रहे हैं उसे समझने के लिए अपना समय निकालना याद रखें।

हम किताबें पढ़कर इतिहास, दर्शन, मूल्यों और विज्ञान के बारे में जान सकते हैं। पढ़ने की आदत हमारे ज्ञान का निर्माण करती है और बुद्धिमत्ता में योगदान देती है। कई लोगों के लिए, किताबें पढ़ना एक तनाव से राहत देने वाला व्यायाम है और एक अलग दुनिया में पलायन है जिसका वे आनंद ले सकते हैं। बच्चों के लिए, किताबें भाषा कौशल और कल्पना का निर्माण करती हैं। वहीं किताबें हमारे अंदर सत्य असत्य के बीत तर्कशील फैसलों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पुखराज प्राज
छत्तीसगढ़

सुभाष चंद्र बोस,आजादी के महानायक

नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता महाभियान के क्रांतिकारियों में से एक आजादी महानायक थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय सेना का निर्माण किया था। जो विशेषता आजाद हिंद फौज के नाम से प्रसिद्ध थी। सुभाष चंद्र बोस स्वामी विवेकानंद को बहुत मानते थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था। उनके पिता जानकी नाथ ने अंग्रेजों के दमनचक्र के विरोध में 'रायबहादुर' की उपाधि लौटा दी। इससे सुभाष के मन में अंग्रेजों के प्रति कटुता ने घर कर लिया। अब सुभाष अंग्रेजों को भारत से खदेड़ने व भारत को स्वतंत्र कराने का आत्मसंकल्प ले, चल पड़े राष्ट्रकर्म की राह पर। आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद सुभाष ने आईसीएस से इस्तीफा दिया। इस बात पर उनके पिता ने उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा- 'जब तुमने देशसेवा का व्रत ले ही लिया है, तो कभी इस पथ से विचलित मत होना।'

सुभाष ने आजादी के आंदोलन को एक नई राह देते हुए युवाओं को संगठित करने का प्रयास पूरी निष्ठा से शुरू कर दिया। इसकी शुरुआत 4 जुलाई 1943 को सिंगापुर में 'भारतीय स्वाधीनता सम्मेलन' के साथ हुई। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि जब नेताजी ने जापान और जर्मनी से मदद लेने की कोशिश की थी तो ब्रिटिश सरकार ने अपने गुप्तचरों को 1941 में उन्हें ख़त्म करने का आदेश दिया था। नेताजी ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हाल के सामने 'सुप्रीम कमाण्डर' के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए दिल्ली चलो! का नारा दिया और जापानी सेना के साथ मिलकर ब्रिटिश व कामनवेल्थ सेना से बर्मा सहित इम्फाल और कोहिमा में एक साथ जमकर मोर्चा लिया।

5 जुलाई 1943 को 'आजाद हिन्द फौज' का विधिवत गठन हुआ। 21 अक्टूबर 1943 को एशिया के विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीयों का सम्मेलन कर उसमें अस्थायी स्वतंत्र भारत सरकार की स्थापना कर नेताजी ने आजादी प्राप्त करने के संकल्प को साकार किया। सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे जिनकी निडर देशभक्ति ने उन्हें देश का हिंदू बनाया द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज का गठन किया था। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा सुभाष चंद्र बोस का यह प्रसिद्ध नारा था।

रंगून के जुगनी हाल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण इतिहास के पन्नों में अंकित हो गया। जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता बलिदान चाहती है अपनी आजादी के लिए बहुत त्याग किया है। किंतु अभी प्राणों की आहुति देना शेष है÷ ये आजाद की वचन थे। उन्होंने आजादी को आज अपने शीश फूल चढ़ा देने वाले ऐसे नौजवानों की आवश्यकता है। जो अपना सर काट के स्वाधीनता देवी को भेंट चढ़ा सके। उन्होंने दिल्ली चलो का नारा भी दिया। सुभाष चंद्र बोस भारतीयता की पहचान ही बन गए और भारतीय युवक आज भी उनसे प्रेरणा ग्रहण करती है।

सुभाष चंद्र बोस भारत के अमूल्य ही थे जो जय हिंद का नारा और अभिवादन देकर चले गए। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सुभाष को कुल 11 बार कारावास हुआ। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु एक रहस्य बनी हुई है। 18 अगस्त 1945 को ताइपे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु विमान दुर्घटना से हो गई थी। लेकिन क्या उनकी सच में मृत्यु हुई थी, ये गुत्थी सुलझ नहीं सकी। यदि यह रहस्य उजागर हो जाता तो असलियत देश के सामने आ जाती। काश! आजादी के बाद नेताजी जीवंत रहते तो देश का नव सुभाष होता।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट,
मध्यप्रदेश

माता फातिमा शेख जी का नारी सशक्तिकरण में योगदान

महिलाओं की शिक्षा और मुक्ति के ज्योतिराव फुले और माता सावित्री बाई फुले के उदार विचारों को समाज ने बड़े पैमाने पर स्वीकार नहीं किया।इसमें उनके अपने परिवार भी शामिल थे।इनको जब अपने पैतृक घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया तब उन्हें उस्मान शेख की बहन फातिमा शेख ने जिनका जन्म 09 जनवरी 1831 को हुआ था अपने घर में शरण दी।जिस घर में फुले दंपत्ति रहते थे उसी घर में महिला शिक्षा के लिए उन्हें स्कूल खोलने की अनुमति शेख परिवार ने न केवल दी बल्कि सहयोग भी करने लगे।फातिमा शेख भी उसी स्कूल में पढ़ाने लगी।बालिकाओं को स्कूल भेजने पर हिचकिचाते माता पिता की घंटों तक काउंसिलिंग करती थीं फातिमा शेख।

उन्हें भारत की प्रथम मुस्लिम शिक्षिका भी माना जाता है।जिन्हें देखकर अन्य मुस्लिम महिलाएं ऐसा करने के लिए प्रेरित हुई।अपने भाई उस्मान शेख के सिवाय किसी अन्य पुरूष का उनके नाम के साथ उल्लेख न होना उस समय के पितृसत्तात्मक समाज व विचारों से हटकर कुछ अलग कुछ कर गुजरने की उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को प्रदर्शित करता है।दलित, शोषित व हाशिये में धकेल दिये गए समाज की बालिकाओं, महिलाओं को शिक्षित करने का बीड़ा उठाना तत्कालीन समय में किसी विद्रोह से कम नहीं था।

इतिहास में घोर उपेक्षित माता फातिमा शेख ने यथास्थिति को चुनौती देते हुए यह सुनिश्चित किया कि समाज के सभी वर्गों के सभी बच्चों को उनकी जाति, वर्ग, लिंग और धर्म के बावजूद शिक्षा तक पहुंच प्राप्त हो।स्वतंत्रता, समानता और नारीवाद की समान विचारधाराओं के आधार पर फ़ातिमाजी ने फुले दंपत्ति के साथ जो मित्रता की वह विशेष ध्यान देने योग्य बात थी।अपने समुदाय के खिलाफ जाकर एक हिंदू महिला को अपने घर में जगह देना व कंधे से कंधा मिलाकर चलना, उनके विचारों को खुलकर समर्थन करना, उनकी मित्रता के प्रति जुनून को प्रदर्शित करता है।इतिहास के पन्नों से उन्हें गायब कर देना यह दर्शाता है कि तत्कालीन मनुवादी समाज के विरूद्ध जाकर उन्होंने जोखिम उठाकर नारी उत्थान के लिए कितना महान कार्य किया।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रधानमंत्री की आठ वर्ष का कार्यकाल हमारी प्रेरणा है व भाजपा के 15 वर्ष के कार्यकाल हमारी शक्ति है : शिवप्रकाश

भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति के अंतिम दिन भाजपा के राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिव प्रकाश जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी महामंत्री संगठन पवन साय जी ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

बैठक में पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए शिव प्रकाश जी ने कहा कि लोगो की भावना के अनुरूप केंद्र सरकार की योजनाओं को लेकर लाभार्थियों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का यत्न करे। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्रीय ही नहीं बल्कि उससे सूक्ष्म स्थानीय विषयों पर चर्चा कर बूथ शक्ति का उपयोग करके आंदोलन खड़ा करें। छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष में हमारे किए कार्य याद करे व 15 वर्ष के हमारे प्रयास से जनसामान्य के जीवन में जो सकारात्मक परिवर्तन आए है वह जनता को याद दिलाए ।

उन्होंने कहा कि भाजपा के 15 वर्ष के कार्यकाल हमारी शक्ति है व मोदी जी की आठ वर्ष का कार्यकाल हमारी प्रेरणा है ।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि 15 वर्ष के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में हमने हर क्षेत्र के, हर वर्ग के ,प्रत्येक व्यक्ति के निजी जीवन के प्रत्येक पहलुओं को छुआ है। उनके लिए विकास के कार्य किए हैं, उनके जीवन स्तर में उन्नति के लिए योजनाएं बनाई है। भूपेश बघेल की सरकार जनहित के बजाय स्वयं हित के कार्य कर रही है। जनता भूपेश सरकार के कार्यकाल से परेशान हो चुकी है हमें उन तक जाकर उनकी हिम्मत बनना है।

भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि संगठन की राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद हम प्रदेश की कार्यसमिति कर रहे है। अब 1 से 4 फरवरी तक जिला कार्यसमिति व 7 से 10 फरवरी तक मंडल कार्यसमिति संपन्न किए जायेंगे। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि आप निरंतर जिला, मंडल तक प्रवास करके पार्टी के कार्यों में गति लाएं। उन्होंने बूथ की सक्रियता, मोर आवास मोर अधिकार, परीक्षा पर चर्चा, मन की बात, आदि कार्यक्रमों के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक के अंतिम दिन रायपुर संभाग प्रभारी व विधायक सौरभ सिंह ने डबल इंजन की सरकार से ही छत्तीसगढ़ में संभव है गरीब कल्याण विषय पर योजना प्रस्तुत की।

डबल इंजन की सरकार जरूरी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि 16 राज्यों में डबल इंजन की सरकार विकास के नए आयाम बना रहे हैं। केंद्र सरकार बिना भेदभाव के छत्तीसगढ़ को मनमोहन सिंह के समय से 4 गुना अधिक पैसा भेज रही है । परंतु यह सरकार पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर जनहित के कार्य रोक रहे हैं। 4 साल में छत्तीसगढ़ के विकास की जगह लूट और भ्रष्टाचार हुआ है अगर छत्तीसगढ़ को पुनः विकास के रास्ते पर लाना है तो अगले चुनाव में डबल इंजन की सरकार बनानी होगी और जिस प्रकार जनता का रुख दिख रहा है यह निश्चित है कि 2023 में भाजपा जीतेगी और छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार के साथ जनता के विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

मरीज के परिजन फंसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिफ्ट में,सुरक्षित निकाला गया बाहर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल की अव्यवस्था अक्सर सुर्खियों में रहती है, वहीं शुक्रवार की रात मरीज के परिजन लिफ्ट पर 1 घंटे फंसे रहने से अफरा-तफरी मच गई। तहसीलदार ने लिफ्ट सील कर दिया है।

दरअसल मेडिकल कॉलेज के मातृ एवं शिशु अस्पताल में आईसीयू से सटे हुए लिफ्ट जिसका इस्तेमाल केवल मरीजों और डॉक्टरों के सुविधा के लिए लगाई गई है। शुक्रवार की रात को भर्ती मरीज के कुछ परिजन लिफ्ट के रास्ते से नीचे आ रहे थे। अचानक एक व्यक्ति ने मोबाइल से मामले की जानकारी बलरामपुर कलेक्टर को दी। बलरामपुर कलेक्टर ने मामले की जानकारी अंबिकापुर अस्पताल प्रबंधन को दी। इसके बाद लिफ्ट में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की गई। लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को बाहर निकाला गया। दूसरे फ्लोर में आकर लिफ्ट फंस गई। लिफ्ट के अंदर रहे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। सूत्रों के अनुसार लिफ्ट में फंसे लोग बलरामपुर जिले के लोग बताए जा रहे हैं। लिफ्ट में फंसे किसी

उप निरीक्षक ओम प्रकाश यादव में थाना प्रभारी उदयपुर का किया गया पदभार ग्रहण

- संवाददाता -
उदयपुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

निरीक्षक धीरेंद्र नाथ दुबे के गांधीनगर थाना स्थानांतरण के बाद नव पदस्थ थाना प्रभारी उप निरीक्षक ओम प्रकाश यादव ने पदभार ग्रहण किया है।

चर्चा के दौरान उप निरीक्षक ने कहा हमारी प्राथमिकताओं में अपराध निकाल, नशे के खिलाफ कार्यवाही, समस्याओं का त्वरित निराकरण, अंतिम व्यक्ति तक पुलिस की पहुंच तथा सौहार्द पूर्ण वातावरण का निर्माण यातायात व्यवस्था दुरुस्त करना इत्यादि शामिल हैं।

विदित हो कि इससे पहले कोरोना काल के दौरान कुछ दिनों के लिए वह उदयपुर थाना में रह चुके है इसके अतिरिक्त चौकी प्रभारी मणिपुर, साइबर सेल प्रभारी, गांधीनगर थाना, थाना लुण्ड्रा में बतौर प्रभारी अपनी सेवाएं दे चुके है।

ऑपरेशन ईगल के तहत 16 दिन में पकड़े गए 553 स्थाई वारंटी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से आए दिन नई-नई कार्य योजना तैयार कर इकाईयों से क्रियान्वयन करवाया जा रहा है। इसी क्रम में अपराधियों की धर-पकड़ एवं लंबे अरसे से स्थाई फरार वारंटियों की गिरफ्तारी तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण के उद्देश्य से रेंज स्तर पर ऑपरेशन ईगल चलाया गया। इस अभियान के तहत रेंज के विभिन्न जिलों के फरार स्थाई वारंटी जो कई वर्षों से जिला, प्रदेश एवं अंतर्राज्यीय क्षेत्रों में अपना ठिकाना जमाकर लुक-छिप कर रहे थे उनकी गिरफ्तारी हेतु रेंज आईजी राम गोपाल गर्ग द्वारा सभी पुलिस अधीक्षकों को विधिवत रणनीति बनाकर फरार वारंटियों की सूची तैयार कराकर ऑपरेशन ईगल के तहत 4 से 20 जनवरी तक कुल 553 स्थाई वारंटो का निराकरण कर न्यायालय पेश करने में एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। आईजी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे ऑपरेशन ईगल के तहत रेंज के जिला इकाइयों में पुलिस द्वारा विशेष टीमें बनाकर काफी संख्या में स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें सरगुजा पुलिस द्वारा -149 जशपुर- 117 सूरजपुर -102 मनेंद्रगढ़- 116 बलरामपुर-46 तथा जिला कोरिया द्वारा -23 रेंज में कुल - 553 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जिसमें-144 वारंटियों को जमानत एवं फरार वारंटियों में से 57 स्थाई वारंटियों की मृत्यु होना पाया गया एवं-324 वारंटियों को न्यायालय पेश कर जेल दाखिल कराने में सफलता हासिल हुई।

आईजी का मुख्य उद्देश्य बेसिंग पुलिसिंग में कसावट लाने तथा अपराधों पर अंकुश लगाना है। इसके लिए लगातार रेंज के पुलिस अधीक्षकों से समन्वय स्थापित कर अपने कार्यों के अनुभवों का साझा करते हुए अपराधियों की धर-पकड़ में नई तकनीकी का उपयोग करने से वांछित सफलता प्राप्त हुई है। साथ ही आईजी द्वारा यह भी कहा गया कि इस प्रकार के अभियान निरंतर चलाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई जारी रहेगी ताकि न्यायालयों में वर्षों से लंबित मामलों का निराकरण समय पर हो सके और आम जनता को त्वरित न्याय मिल सके।

किसान सभा द्वारा रैली एवं आमसभा कर शासन प्रशासन का कराया ध्यान आकृष्ट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत घंघरी तहसील अंबिकापुर छत्तीसगढ़के आस पास के गांवों की समस्याओं को ले कर किसान सभा द्वारा रैली एवं आमसभा कर शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया एवं उन्हें पूरा करने हेतु मांग किया गया । इन में शामिल है ग्राम पंचायत घंघरी के रूखपुर चौक ग्राम पंचायत अखोरा सीमा तक लगभग 1 किलोमीटर सड़क जो कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी नहीं बनी है उसे बनाया जाए, ग्राम घंघरी से ही कंचनपुर बकना तक पक्का सड़क का निर्माण किया जाए । ग्राम घनघरी में मिनी पीएससी अस्पताल खोला जाए ।अंबिकापुर से कुंदी बदौली, जामदोहर, कंचनपुर, डढ़िया, खोडरो, खुखरी, खुखरी परसवार कोतरी पारा आदि गांवों तक बस सुविधा सुबह शाम शुरू किया जाए एवं ग्राम घनघरी में उप तहसील कार्यालय बनाया जाए ।ज्ञात हो कि ग्राम घँघरी इस क्षेत्र के बीच में स्थित है यदि यहां उपरोक्त सुविधाएं शुरू की जाती है क्षेत्र की जनता का काफी भला होग । चूंकि आज शनिवार है और कार्यालय बंद होते हैं । इसलिए निर्णय लिया गया है कि आज रैली करके सोमवार को संबंधित अधिकारियों यथा कलेक्टर कमिश्नर आदि को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया जाएगा ।आम सभा को सुरेंद्र लाल सिंह , बीरबल मराबी वेदनाथ राजवाड़े,अली राजवाड़े, रायसिंह टेकाम , नीलम सिंह, रामऋतु सी पी शुक्ल आदि ने संबोधित किया । सभा की अध्यक्षता आलम साई, बाबू लाल, श्रीमति दुर्गावती, श्रीमती सुखानी बाई आदि ने किया ।

राजीव भवन में जिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

26 जनवरी से प्रारंभ होने वाले हाथ से हाथ जोडो अभियान के क्रियान्वयन के संदर्भ में आज राजीव भवन में जिला कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक अभियान की जिला प्रभारी श्रीमति राजकुमारी मरावी की अध्यक्षता में संम्पन्न हुआ। आज की बैठक में सरगुजा जिला कांगेस के सभी ब्लॉक ईकाईयों को भी आमंत्रित किया गया था। बैठक के दौरान बूथ स्तर पर हाथ से हाथ जोडो अभियान में यात्रा का रुट चार्ट तैयार करने से लेकर बूथ स्तर पर कमेटियों के गठन के लिये किये जा रही तैयारियों का अवलोकन किया गया। बैठक में इस अभियान के उद्देश्य की चर्चा करते हुए सूरजपुर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति राजकुमारी मरावी ने बताया कि यह कार्यक्रम राहुल गांधी के भारत जोडो अभियान का राजनितिक फॉलोअप है। भारत जोडो यात्रा के दौरान मोदी सरकार के कुशासन से तकलीफ झेलती देश की आम जनता के संदेश को घर-घर तक पहुँचाना है।

पदयात्रा के माध्यम से राहुल गांधी का आम जन को लिखा पत्र एवं मोदी सरकार के विरुद्ध जारी आरोप-पत्र को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाया जायेगा। जिला कांगेस अध्यक्ष श्री राकेश गुप्ता ने बैठक में जानकारी दी कि कार्यक्रम तीन स्तर पर होगा। प्रत्येक ब्लॉक में बूथ स्तर पर पदयात्रा कर लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क किया जायेगा। जिला स्तार पर अधिवेशन होगा एवं राज्यस्तर पर रैलियां निकाली जायेंगी। 26 जनवरी से प्रारंभ होकर यह कार्यक्रम पूरे वर्ष भर चलेगा। जनसंपर्क के दौरान

लोगों को छत्तीसगढ राज्य सरकार की उपलब्धियों की जानकारी भी दी जायेगी। पी0सी0सी0 उपाध्यक्ष ने बैठक में जानकारी दी कि पार्टी ने इस अभियान में पार्टी के छोटे से लेकर बडे कार्यकर्ताओं की सक्रीय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रुप से अभियान में शिमिल होना है। जो कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधी अभियान में अरुचि दिखायेगा या अनुपलब्ध रहेगा उसकी नियमित रिपोर्ट पी0सी0सी0 को जायेगी। उन्होंने जानकारी दी कि पार्टी हाथ से हाथ जोडो यात्रा एवं जनसंपर्क में सभी की भागीदारी को लेकर गंभीर है। आज की बैठक में जिला कांगेस के ब्लॉकों अध्यक्ष एवं उनके प्रतिनिधि जिनमें श्री हेमंत सिंन्हा, श्री विनय शर्मा, श्री अमित सिंहदेव, श्री प्रदीप गुप्ता, श्री तिलक बेहरा, श्री बलराम यादव, श्रीमति वायुश्री सिंह अपनी ब्लॉक कांग्रेस की टीम के साथ मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति मधु सिंह, मो0 इस्लाम, नुरुल अमीन सिद्धकी, सत्येन्द्र तिवारी,सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता, शिवप्रसाद अग्रहरी, अनूप मेहता, पंकज शुक्ला, विकल झा पूर्णिमा सिंह, गीता प्रजापति, गीता श्रीवास्तव, हीरो बडा, सावित्री देवी, श्रीमति शकीला श्रीमति नर्मला, सकुन्ती बाई, मालती सिंह,अनीमा केरकेट्टा, निर्मला देवी, बाबू सोनी, रोशन कन्नौजिया, अमित तिवारी, नितेश चैरसिया, चंद्रप्रकाश सिंह, काजू खान, बाबर खान, सोहेल अली, संजय सिंह, सरजू साहू, निखिल विश्वकर्मा, ओनिमेश सिन्हा, विवेक कुमार सिंह,केदार यादव, विरेन्द्र पाठक, हिमांशु जायसवाल, शुभम जायासवाल, विकास केशरी सहित काफी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

हाथ से हाथ जोडो अभियान में ब्लॉक प्रभारियों की घोषणा

26 जनवरी से अगामी 2 माह तक चलने वाले हाथ से हाथ जोडो अभियान में ब्लॉक स्तर के प्रभारियों के नाम की घोषणा हो गयी है। पी0सी0सी0 ने सभी ब्लॉक अध्यक्षों को प्रभारी नियुक्त किया है। इसके अनुसार अम्बिकापुर शहर से श्री हेमंत सिन्हा, अम्बिकापुर ग्रामीण से श्री विनय शर्मा, मैनपाट श्री बलराम यादव, उदयपुर श्री राजनाथ सिंह,सीतापुर श्री तिलक बेहरा, लुंड्रा श्री युनुस अंसारी, धौरपुर श्री मार्तण्ड सिंह, दरिमा श्रीमति वायुश्री सिंह, लखनपुर श्री कृपाशंकर गुप्ता एवं बतौली श्री प्रदीप कुमार गुप्ता हाथ से हाथ जोडो अभियान के प्रभारी रहेंगें। सूरजपुर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति राजकुमार मरावी सरगुजा जिला की प्रभारी नियुक्त हुई है।

कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंका पुतला

अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

युवक कांग्रेस की अगुवाई में जिला कांग्रेस कमेटी ने नगर निगम कार्यालय के समक्ष प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि नारायण चंदेल के पुत्र पलाश चंदेल के विरुद्ध एक आदिवासी महिला ने बलात्कार का आरोप लगाते हुए पुलिस के समक्ष रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट दर्ज कराने के पश्चात् से ही नेता प्रतिपक्ष का पुत्र फरार है। एक तरफ भाजपा आदिवासियों के अधिकारों की बात करने का ढोंग करती है, वहीं भाजपा नेताओं के पुत्र आदिवासी महिलाओं का शारीरिक शोषण करते हैं। युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकल झा ने भी भाजपा पर निशाना साधा। विरोध प्रदर्शन में पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, महापौर डॉ. अजय तिर्की, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, हेमंत सिन्हा, विनय शर्मा, बलराम यादव, तिलक बेहरा, प्रदीप गुप्ता, सैयद अख्तर हुसैन, दुर्गेश गुप्ता, शिवप्रसाद अग्रहरी, अनूप मेहता, पंकज शुक्ला, पूर्णिमा सिंह, गीता प्रजापति, गीता श्रीवास्तव, हीरो बड़ा, सावित्री देवी, शकीला, निर्मला, सकुन्ती बाई, मालती सिंह, अनीमा केरकेट्टा, निर्मला देवी, बाबू सोनी, रोशन कन्नौजिया, अमित तिवारी, नितेश चैरसिया, चंद्रप्रकाश सिंह, काजू खान, बाबर खान, सोहेल अली, संजय सिंह, सरजू साहू, ओनिमेश सिन्हा, विवेक कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेसजनों ने नारायण चंदेल का फूँका पुतला

- संवाददाता -
सूरजपुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा के नेता नारायण चंदेल के पुत्र का महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया जिस पर राजनीतिक दलों द्वारा विरोध किया जा रहा है इस पर आज सूरजपुर जिला मुख्यालय में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह के नेतृत्व में भाजपा नेता नारायण चंदेल का पुतला दहन किया गया कांग्रेसजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नारायण चंदेल के पुत्र के द्वारा महिला पर अत्याचार किया गया है ऐसा कृत्य करने के बाद भी अपने आप को सरेंडर करने के बजाय अपना मुँह छुपाते भाग रहे है जब भाजपा के नेता ऐसा कृत्य कर रहे है तो वो जनता का क्या भला करेंगे 15 वर्षों से भाजपा के नेताओ के द्वारा लोगों का शोषण किया जा रहा था ऐसे कई दुष्कर्म के मामले थे जिनको सरकार के दम पर दबा दिए गये थे लेकिन अब प्रदेश के लोगों के हित में कार्य करने वाली सरकार आयी है अब ऐसे कर्म का सजा जरुर मिलेगा कांग्रेसजनों ने बड़े ही आक्रोश के साथ पुतला दहन किया इस दौरान जिला कांग्रेस महामंत्री मनोज डालमिया,प्रदेश कांग्रेस सदस्य ज़फ़र हैदर,जेल संदर्शक मनोज अग्रवाल,जिला कांग्रेस सचिव विष्णु कसेरा,नीरज तायल,अविनाश यादव,विधायक प्रतिनिधि आकाश साहू, सूरज अवस्थी, दीपक कर, महेन्द्र साहू, आकुल रजवाड़े, रामसिंह, त्रिलोक सिंह, सलीम, सोनू, सलमान, अफ़रोज़ ख़ान एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झुमका महोत्सव मे कुर्सियों के टूटने के पीछे कहीं प्रशासन की लापरवाही तो नहीं?

प्रशासन ने झुमका जल महोत्सव के लिए भीड़ तो जुटा लिया,भीड़ नियंत्रण कर पाने में असफल रहा प्रशासन

» **समाने वाले लोगों के कारण पीछे बैठे लोग नहीं देख पा रहे थे कार्यक्रम,इसलिए टूंटी कुर्सियां**

» **एक कलाकार ने बिना गाना गाए केवल मंच पर खड़े होकर ही प्रशासन से लिए पैसेः सूत्र**

» **जिले के प्रथम झुमका जल महोत्सव के सफल आयोजन के बाद कलेक्टर श्री लंगेह की अगुवाई में प्रशासनिक टीम ने की महोत्सव स्थल की सफाई भी'**

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 21 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

विभाजित कोरिया जिले के झुमका तट पर जल महोत्सव का आयोजन किया गया जो आयोजन दो दिवसीय था, जिसमें बाहर से दर्शकों को लुभाने के लिए कलाकारों को भी बुलाया गया था, आयोजन सफल हो इसके लिए कोरिया प्रशासन ने सभी से आग्रह कर कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया था, प्रशासन ने बुलाया तो सभी को था लेकिन व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन चाक चौबंद नहीं था और व्यवस्था खासकर बैठक व्यवस्था सही नहीं थी, जिस वजह से कुर्सी टूटने का मामला सामने आया सूत्रों की माने तो स्टेज के सामने वाले कुर्सियों पर बैठे लोगों के खड़ा होने की वजह से पीछे वाले लोग कार्यक्रम का आनंद नहीं ले पा रहे थे और उन्होंने गुस्से में कुर्सी तोड़ दी और यह बात भी सही थी कि सामने वाले की वजह से पीछे वालों को कार्यक्रम देखने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, प्रशासन ने ऐसी व्यवस्था बिल्कुल कराकर नहीं रखी कि सभी इस कार्यक्रम का आनंद ले सके, यह प्रशासन कि कहीं न कहीं चूक थी, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से भी पुलिस प्रशासन यदि वहां मुस्तैद होता तो शायद कुर्सी टूटने की नौबत नहीं आती और पीछे वाले दर्शक भी कार्यक्रम का आनंद ले पाते।

गंदगी खुद कलेक्टर व अधिकारी साफ करते दिखे

फीफा विश्वकप 2022 के दौरान जापानियों ने तब दिल जीत लिया जब मैच के बाद जापानी स्टेडियम की भी सफाई में जुट गए। जापान और क्रोएशिया के बीच हुए मैच के बाद जापानी फैंस ने स्टेडियम की सफाई की। कुछ ऐसा ही नजारा शनिवार की सुबह कोरिया जिले में भी देखने को मिला जब कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अगुवाई में जिला प्रशासन की टीम ने झुमका बोट क्लब में स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व ही झुमका बोट क्लब में जिले के प्रथम झुमका जल महोत्सव का दो दिवसीय आयोजन किया गया था। दो दिन हुए इस महोत्सव में 20 हजार से भी ज्यादा लोग शामिल हुए और महोत्सव का लुत्फ उठाया। इसी कड़ी में झुमका जल महोत्सव 2023 के सफल आयोजन पश्चात आवश्यक सफ़ाई हेतु श्रमदान का आयोजन आज सुबह 7.30 बजे से कलेक्टर की अगुवाई में किया गया। कलेक्टर श्री लंगेह सपत्नीक झुमका बोट क्लब पहुंचे और टीम बनाकर श्रमदान किया गया। टीम अनुसार बोट क्लब एरिया एवं स्टेज एरिया में जिला पंचायत, स्टेज के सामने एरिया एवं ग्रीन रूम एरिया में कलेक्ट्रेट टीम, गार्डन एरिया में टीम नगर पालिका परिषद, लेज़र लाइट एरिया में टीम पीडब्ल्यूडी, फ़ूड स्टाल एरिया में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, पार्किंग एरिया में टीम तहसीलदार बैकुण्ठपुर, बिहान मेला स्थल में स्वास्थ्य एवं वनविभाग की टीम को सफाई की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान सहयोग के लिए स्वच्छता दीदियां भी झुमका बोट क्लब में मौजूद रहीं।

क्या बिना गाना गाए ही कलाकार ने लिया पैसा,लगाया प्रशासन को चूना?

झुमका जल महोत्सव का दो दिवसीय आयोजन संपन्न होने के बाद एक अलग ही बात सामने आ रही है वह यह बात है कि आए कलाकारों में से एक कलाकार ने बिना गाना गाए ही प्रशासन से लाखों रुपए ले लिए उन्होंने गाना गाने के बजाए डबिंग पर झूमकर लोगों को दिखाया और उन्हें यह बताने का कोशिश किया कि वह गाना गा रहे हैं पर वही उसको देखने वालों ने समझ लिया की गायक ने गाना नहीं गाया सिर्फ मोबाइल के डबिंग सुना कर ही पूरे पैसे ऐठ लिए प्रशासन के।

एमसीबी कलेक्टर का बड़ा कारनामा क्यों राज्य सरकार के आदेश को किया नज़र अंदाज,अपनी मनमर्ज़ी से चला रहे जिला?

» **शासन से कोरिया जिले में सयुक्त कलेक्टर की पदस्थापना मगर कर रहे मनेंद्रगढ़ भरतपुर चिरमिरी जिले में कार्य कैसे?**

» **राजस्व मंत्री,विधानसभा अध्यक्ष सहित प्रमुख सचिव से हुईं शिकायत**

- रवि सिंह -
मनेद्रगढ़ 21 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

घोटाले और कारनामे तो आपने बहुत सुने होंगे पर शासन के आदेश को ना मानकर अपने मूल पदस्थ जिले से अन्यत्र जिले जाकर कार्य करने जैसा कारनामा आप जरूर पहली बार सुनेंगे। कोरिया जिले से पृथक होकर मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर नया जिला अस्तित्व में आने के बाद नए जिले के लिए राज्य शासन द्वारा राज्य प्रशासनिक अधिकारियों की स्थापना की गई जिसमें सयुक्त कलेक्टर के पद पर अभिलाषा पैकरा और डिप्टी कलेक्टर के पद पर चमार सिंह पैकरा, प्रवीण कुमार भगत, मूलचंद चोपड़ा सहित प्रीतेश राजपूत की पदस्थापना की गई, जिसमें मूलचंद चोपड़ा और प्रीतेश राजपूत को कोरिया जिले से नवीन जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर पदस्थ किया गया व अन्य कोरिया जिले में पदस्थ अधिकारीयों को कोरिया जिले में ही रहने दिया गया मगर राज्य शासन के नियमों की अवहेलना करते हुए नियम विरुद्ध तरीके से मनेंद्रगढ़ कलेक्टर ने कोरिया जिले में पदस्थ सयुक्त कलेक्टर नयन तारा सिंह तोमर को मनेंद्रगढ़ जिले सयुक्त कलेक्टर के साथ साथ अनुविभागीय अधिकारी खड़गवा का प्रभारी बना दिया जबकि उनकी मूल स्थापना मनेंद्रगढ़ जिले में ही नही है।

कार्यालय
कृषि उपज मंडी समिती मनेन्द्रगढ़
गुरुदेव पाण्डेय
उपाध्यक्ष
मोब.- 9753190356
निवास स्थान

प्रति
कलेक्टर महोदय
जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर

विषय- नयनतारा सिंह तोमर संयुक्त कलेक्टर कोरिया को अपने मूल पदस्थ जिले कोरिया के लिए भार मुक्त करने के संबंध में।

महोदय
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि नवगठित जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का गठन होने के बाद शासन से नवगठित जिले के लिए छ ग सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन रायपुर के आदेश क्र/ बी -01-01/2022/ एफ /4 दिनांक 05/09/2022 के द्वारा संयुक्त कलेक्टर के पद पर अभिलाषा पैकरा और डिप्टी कलेक्टर के पद पर चमार सिंह पैकरा, प्रवीण कुमार भगत, मूलचंद चोपड़ा सहित प्रीतेश राजपूत की पदस्थापना की गई, जिसमें मूलचंद चोपड़ा और प्रीतेश राजपूत को कोरिया जिले से नवीन जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर पदस्थ किया गया व अन्य कोरिया जिले में पदस्थ अधिकारीयों को कोरिया जिले में ही रहने दिया गया मगर राज्य शासन के नियमों की अवहेलना करते हुए नियम विरुद्ध तरीके से कोरिया जिले में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर नयन तारा सिंह तोमर को मनेंद्रगढ़ जिले में संयुक्त कलेक्टर के साथ साथ अनुविभागीय अधिकारी खड़गवा का प्रभारी बना दिया जबकि उनकी मूल स्थापना मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में ही नहीं है।

अतः माननीय कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि नयनतारा सिंह तोमर संयुक्त कलेक्टर को 3 दिनों के भीतर अपने मूल पदस्थ जिले कोरिया के लिए भार मुक्त करने की कृपा करें यदि 3 दिनों के भीतर उनको उनके मूल पदस्थ जिले के लिए भार मुक्त नहीं किया जाता है तो हमें अपने साथियों के साथ आपके कार्यालय के समक्ष अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि कांग्रेस की सरकार में शासन के नियमों की इस तरीके की अवहेलना होने से सरकार की छवि धूमिल हो रही है।

गुरुदेव पांडेय

संलग्न- 1) छ ग सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन रायपुर के आदेश क्र/ बी -01-01/2022/ एफ /4 दिनांक 05/09/2022।
2) कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों द्वारा राजस्व मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, सहित प्रमुख सचिव को की गई शिकायत।

कृषि उपज मंडी के उपाध्यक्ष गुरुदेव पांडेय, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सौरव मिश्रा, युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मनोज शर्मा सहित विधायक प्रतिनिधि खड़गवां व कौड़ीमार सरपंच प्रेमलाल सिंह ने मनेंद्रगढ़ कलेक्टर को पत्र सौंपते हुए नयनतारा सिंह तोमर को मूल पदस्थ जिले कोरिया के लिए भारमुक्त करने की मांग की है। जल्द ही भारमुक्त ना किए जानें पर आंदोलन का रास्ता अपनाने की बात कही गई है। इसके पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया व पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ ध्रुपद चौहान ने नियम विरुद्ध तरीके से सयुक्त कलेक्टर नयन तारा तोमर को मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में रखे जानें की शिकायत राजस्व मंत्री सहित, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास मंहत और प्रमुख सचिव से की है साथ ही मांग की है नयन तारा सिंह तोमर को राज्य से पदस्थ जिले कोरिया में कार्य करने के लिए भारमुक्त किया जाए। चौहान का कहना है कि पूर्व में कभी भी इस तरीके का देखने को नहीं मिला जिसमे कोई कलेक्टर राज्य सरकार के आदेश को इस तरीके से रद्दी के टोकरी में डाल के फेक देता हो साथ ही चौहान ने कोरिया कलेक्टर को मामले में संज्ञान लेते हुए अपने जिले में पदस्थ सयुक्त कलेक्टर नयन तारा को वापस मूल पदस्थ जिले में रखने का मांग किया है। जिला प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा कि अन्यत्र जिले में पदस्थ सयुक्त कलेक्टर को नवगढित जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में रखना शासन ने नियमों को अनदेखा करने जैसा है, उसके साथ ही उन्ही को अनुविभागीय अधिकारी का प्रभार देना यह दर्शाता है कि उनको अनुचित लाभ दिया जा रहा है जबकि जिले में कई डिप्टी कलेक्टर जिला मुख्यालय में पदस्थ है।

अल्पसंख्यक समुदाय कांग्रेस के लिए वोट बैंक नहीं:मेमन

- संवाददाता -
प्रतापपुर, 21 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग में प्रदेश, जिला व ब्लाक स्तर पर पदाधिकारियों की नवीन नियुक्ति को लेकर अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन सरगुजा संभाग का दौरा कर कार्यकर्ताओं की बैठकें ले रहे हैं। इसी क्रम में वे शुक्रवार को देर शाम अल्पसंख्यक विभाग प्रतापपुर के कार्यकर्ताओं की बैठक लेने स्थानीय रेस्टहाउस में पहुंचे जहां बैठक से पूर्व जिला कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री संजीव श्रीवास्तव की अगुवाई में बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। बैठक में अल्पसंख्यक विभाग की नवीन कार्यकारिणी बनाने को लेकर मेमन ने कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को अन्य समुदायों के साथ साथ अल्पसंख्यक समुदाय के हितों का भी ख्याल है तथा पार्टी कभी भी अन्य राजनैतिक पार्टियों की तरह अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक नहीं समझती है। इसी को देखते हुए इस बार पार्टी ने प्रदेश, जिला व ब्लाक स्तर पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की सहमति लेकर ही अल्पसंख्यक विभाग के विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है। मेमन ने कहा कि पार्टी को जल्द ही नवीन पदाधिकारियों की नियुक्ति की सूची जारी करनी है इसलिए किस पद पर किस कार्यकर्ता की नियुक्ति करनी चाहिए इसे लेकर आप लोग आपस में विचार विमर्श कर दो चार दिनों के भीतर उन्हें अपनी राय से अवगत करा दें। चर्चा के दौरान मेमन ने यह भी बताया कि वे जल्द ही प्रदेश के सभी अल्पसंख्यक समुदायों की रायपुर के राजीव भवन में बैठक आयोजित करेंगे जिसमें अल्पसंख्यकों के विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मेमन के समक्ष कब्रिस्तान में बाउंड्री वाल, अल्पसंख्यकों के लिए सामुदायिक भवन व अन्य मांगें रखीं जिस पर उन्होंने कुछ मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। बैठक में कांग्रेस नेता दानिश रफीक, बलविंदर सिंह छाबड़ा, जिला कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री संजीव श्रीवास्तव, मासूम इराकी, जीशान खान, विपिन जायसवाल, निशंक शुक्ला, अनुप गुप्ता, त्रिभुवन सिंह टेकाम, फिरोज अंसारी, आरिफ अंसारी, अजय जायसवाल, तनवीर अहमद, इमरान अंसारी, मंजुर अंसारी व सलाहुद्दीन खान उपस्थित रहे।

25 वर्षीय जिला कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी ने झुमका महोत्सव में प्रस्तुत किया अपना नृत्य

» **नृत्य देखकर सभी ने की सराहना, क्लेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी की हुई जमकर तारीफ**

» **कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी ने अलग ही परंपरा की जिले में की शुरुआत, दिखाई अपनी प्रतिभा**

» **आने वाले समय में प्रतिभा प्रदर्शन करने और भी लोग आएंगे सामने जगी उम्मीद**

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 21 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

25वर्षीय कोरिया कलेक्टर ने झुमका महोत्सव आयोजित कर जिलेवासियों को उल्लास के दो दिन प्रदान किए और जिलेवासियों ने भी इन दो दिवसों में जमकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया और बाहर से आए कलाकारों के नृत्य संगीत का लुत्फ उठाया। जिले के 18 वें कलेक्टर के रूप में जिले में पदस्थ हुए नए कलेक्टर युवा हैं और उनकी सोच भी नई है और उन्होंने नई सोच के साथ ही झुमका महोत्सव का आयोजन किया जिसमें जिलेवासियों का भी उन्हे सहयोग मिला और लोग स्वस्फूर्त होकर कार्यक्रम में शामिल हुए और कार्यक्रम का आनंद लिया।

कोरिया कलेक्टर के द्वारा आयोजित झुमका महोत्सव में प्रदेश सहित देश के नामचीन कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया वहीं इस अवसर पर स्वयं जिला कलेक्टर की धर्मपत्नी ने भी अपनी कला का प्रदर्शन मंच से किया जिसकी जमकर तारीफ हुई और उनकी सराहना भी हुई। जिला कलेक्टर विनय कुमार लगेंह की धर्मपत्नी ने अपनी नृत्य कला का प्रदर्शन किया और उन्होंने मंच पर बड़े बड़े कलाकारों सहित जिलेवासियों के बीच यह प्रस्तुती दी और एक नई परंपरा की वाहक बनी। जिले में कई कलेक्टर आए कई गए कईयों ने झुमका सहित अन्य जगहों पर कई कार्यक्रम या आयोजन किए जिसमें केवल विभागीय अधिकारी व कर्मचारियों को ही केवल शामिल किया गया और उन आयोजनों कार्यक्रमों में जिलेवासियों को उत्साह का उल्लास का अवसर नहीं मिल सका।

18 वें कलेक्टर कोरिया ने झुमका महोत्सव मानकर जिलेवासियों को नए वर्ष के अवसर पर उत्साह मनाने का अवसर दिया

18 वें कलेक्टर कोरिया ने झुमका महोत्सव मानकर जिलेवासियों को नए वर्ष के अवसर पर उत्साह मनाने का अवसर दिया और जिसकी वजह से उनकी भी तारीफ हो रही है और लोग इसके लिए उन्हें धन्यवाद दे रहें हैं। झुमका महोत्सव में कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी का नृत्य अत्यंत मनमोहक रहा और नृत्य कला में रुचि लेने वालों ने नृत्य प्रस्तुति को अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन बताया। कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी ने जिलेवासियों को नई परंपरा की शुरुआत कर यह भी संदेश दिया की कला में रुचि रखना ही केवल कला को जीवंत रखने के लिए जरूरी नहीं है कला का उपयुक्त मंच पर प्रदर्शन भी कलाकार की जिम्मेदारी है। कलेक्टर कोरिया ने जिस उद्देश्य से झुमका महोत्सव का आयोजन किया वह पूर्ण भी होता नजर आया और उन्होंने यह साबित भी किया की पर्यटन के विकास के लिए केवल और केवल प्रचार ही महत्वपूर्ण नहीं है उसके लिए समय समय पर छोटे मोटे आयोजन भी आवश्यक हैं जिससे पर्यटक पर्यटन क्षेत्र में आना जाना करते रहें और पर्यटन क्षेत्र में विरानी ना छाई रहे।

कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी ने कला का प्रदर्शन कर नई परपंरा की शुरुआत की

झुमका महोत्सव ने जिलेवासियों को कोरोना वैश्विक महामारी के बाद उत्साह उल्लास का वह अवसर प्रदान किया जिसमे जाकर लोगों ने कुछ समय के लिए सभी चिंताओं से मुक्ति पाई और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेकर लोगों ने उल्लास के कुछ क्षण बिताए। वैसे कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी ने कला का प्रदर्शन कर जिस नई परपंरा की शुरुआत की है वह परंपरा आगे भी जारी रहेगी और हर कलाकार उपयुक्त मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने से नहीं हिचकिचाएगा ऐसा भी संदेश आयोजन के पश्चात समाने आया।

शीर्ष अधिकारियों के परिवार के सदस्य आजतक केवल बनते आए कार्यक्रमों में दर्शक

आजतक किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिले के शीर्ष अधिकारियों के परिवारजन केवल दर्शक बनकर ही उपस्थित होते नजर आए। पहली बार ऐसा देखा गया की शीर्ष अधिकारी जिले के मुखिया की धर्मपत्नी ने न केवल कार्यक्रम में शिरकत की बल्कि उन्होंने बाकायदा अपने कला का उन्होंने प्रदर्शन भी किया और जमकर उनकी वाहवाही भी हुई। कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी का नृत्य मनमोहक था भी और उन्होंने बड़ी ही तैयारी के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया और केवल दर्शक बनने की जगह उन्होंने कलाकार के रूप में अपनी उपस्थिति प्रदान कर यह साबित किया की कलाकार को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन उपयुक्त मंच पर करना चाहिए।

कलेक्टर कोरिया ने भी धर्मपत्नी की कला प्रदर्शन पर नहीं किया विरोध

कलेक्टर कोरिया ने भी अपनी धर्मपत्नी की इक्षा का विरोध नहीं किया और उन्होंने अपनी धर्मपत्नी को अपनी कला का प्रदर्शन करने से नहीं रोका।

पुलिस अधीक्षक एवम अपर कलेक्टर की सुपुत्रियों ने भी दी अपनी प्रस्तुति

झुमका महोत्सव ने कलेक्टर कोरिया की धर्मपत्नी के अलावा पुलिस अधीक्षक की सुपुत्री एवम अपर कलेक्टर की सुपुत्री ने भी अपनी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति मंच से दी। कुल मिलाकर इस आयोजन में जिले के आला अधिकारियों के परिवार से कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और जमकर तारीफ भी उनकी प्रस्तुतियों की हुई। एक नई परंपरा के वाहक बनकर जिले में पदस्थ अधिकारियों ने कला को बढ़ावा देने अपने परिवार के साथ कार्यक्रम का आनंद भी लिया और प्रस्तुति भी दी।

पति नायब तहसीलदार तो पत्नी एसडीएम,कैसे मिलेगा लोगो को न्याय ?

- » राजस्व विभाग से जनता हो रही परेशान, क्लेक्टर साहब आप कब लेंगे संज्ञान ?
- » तहसीलदार के आईडी से घटता व बढ़ता रहा रकबा फिर भी तहसीलदार पर कार्यवाही क्यों नहीं ?
- » किसान से धोखाधड़ी करने वाले तीन पर केस दर्ज,जिस आईडी से हुआ हेरफेर उस पर कार्यवाही क्यों नहीं ?
- » क्या अपनी आईडी किसी अनाधिकृत व्यक्ति को देना उचित,क्या तहसीलदार भी इसमें शामिल ?
- » तहसील व एसडीएम कार्यालय में लोगो का काम करवाने में करनी पड़ती है मशक्कत
- » तहसीलदार नियम से हटकर बना रहे जमीन की चौहदी
- » पूरा विभाग दलालों के चंगुल में,हर कार्य के लिए समय नही बल्कि दर निर्धारित

-रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में राजस्व विभाग के कारनामे से जनता बुरी तरह त्रस्त है, अपना काम कराने जनता को महीनो चक्कर लगाना पड़ता है, तहसीलदार एसडीएम कार्यालयो में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों की मनमानी रूकने का नाम नही ले रही है, जनता परेशान होती है तो होती रहे की तर्ज पर विभाग का काम चल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण कि जिले के प्रषासनिक प्रमुख कलेक्टर द्वारा इस बारे में संज्ञान नही लिया जा रहा है, विभाग में सैकड़ो समस्याएं लंबित हैं समय पर किसी का काम नही हो रहा है,ऐसे प्रकरण जिसके समाधान के लिए समय भी निर्धारित किया गया है लेकिन यह सब मजाक बनकर रह गया है। जिले का हाल ऐसा है कि पति उसी अनुभाग में नायब तहसीलदार हैं तो पत्नी एसडीएम ऐसे में पक्षकार को न्याय कैसे मिलेगा यह भी सोचनीय है। तो वहीं अब तहसीलदार भी नियम से दूर हटकर स्वयं जमीन की चैहद्दी बना रहे हैं, राजस्व विभाग को अधिकारी कर्मचारी कम दलाल ज्यादा चला रहे हैं,प्रत्येक काम के लिए विभाग में हर स्तर पर दर तय कर दिया गया है। ऐसा बुरा हाल इस विभाग का पहले कभी नही रहा।

विभाग में समस्याओं का अंबार

कोरिया जिले का राजस्व विभाग समस्याओं का विभाग बनकर रह गया है, विभागीय कामकाज से लेकर आमजन का काम कराना इस विभाग में चुनौतीपूर्ण काम हो गया है। भू स्वामी अपनी भूमि संबंधी समस्या के लिए इस विभाग का चक्कर लगाते फिरते हैं, तहसीलदार और एसडीएम कार्यालय की व्यवस्था एकदम चरमराई हुई है। यहां पदस्थ कर्मचारी और अधिकारी एकदम बेलगाम हो चुके हैं। बिना चढोत्तरी के काम कराना नामुंकिन सा हो गया हैं। अधिकारी मनमर्जी पर ऊतारू हैं तो कर्मचारी कोई न कोई बहाना बनाकर हर काम टालने और जनता को परेशान करने में कोई कसर नही छोड़ रहे हैं। शिकायतें कार्यालयों में धूल खा रही हैं, पक्षकार घूम घूम कर परेशान हैं पेशी के लिए तारीख पर तारीख दिया जा रहा है। इस विभाग का हाल बेहाल है।

पटवारियों से काम कराना सबसे कठिन

राजस्व विभाग का प्रमुख अंग पटवारियों को माना जाता है, जमीन संबधी किसी भी काम की शुरूआत पटवारी से ही होती है। आमजन को सुविधा हो इसके लिए अलग-अलग हल्को में अलग-अलग पटवारी पदस्थ किये गये हैं वैसे तो पटवारी जनता की सुविधा के लिए हैं लेकिन धरातल पर इनकी स्थिति किसी से छिपी नही है। शायद ही कोई पटवारी ऐसा हो जो बिना सुविधा शुल्क के जमीन का काम करता हो। कई पटवारियों के बारे में बतलाया जाता है कि वे पटवारी गिरी के साथ साथ दलाली का काम भी करते हैं। अक्सर देखने में मिल रहा है कि भू-स्वामी पटवारियों के चक्कर काटते फिरते हैं। भू स्वामी किस कदर परेषान हैं उनका समय के साथ साथ सब कुछ व्यर्थ जा रहा है इससे पटवारियों को कोई मतलब नही होता। कई बार देखने में मिल रहा है कि वाजिब काम के लिए सभी कागजी कार्यवाही पूर्ण होने पर भी पटवारी भू स्वामियों को घुमाते रहते हैं।

तहसीलदार खुद बना रहे जमीन की चौहदी

विभाग में इन दिनो काले कारनामो की चर्चा आम हो चुकी है ऐसे ऐसे काम किये जा रहे है जो कि नियम से हटकर हैं अधिकारी बेपरवाह हैं और बगैर किसी भय के कोई भी काम धड़ल्ले से अंजाम दे रहे है। विष्वस्त सूत्रों के अनुसार बैकुंठपुर तहसीलदार द्वारा नियमो को धता बताते हुए जमीनो की चैहद्दी तक बनाई जा रही है। बतलाया जाता है कि कई ऐसे जमीन हैं जो कि विक्रय नही की जा सकती है,उन जमीनो की चैहद्दी बनाने से जब पटवारियों द्वारा मना कर दिया जाता है तो अपने अधिकारो से हटकर तहसीलदार द्वारा खुद ही चैहद्दी बना दी जा रही है जिसके बाद जमीन की रजिस्ट्री रजिस्टार द्वारा की जा रही है। वर्तमान तहसीलदार के कार्यकाल में अनेको ऐसे मामले हैं, यह अत्यंत ही जांच का विषय है।

एक अनुविभाग में पदस्थ है एसडीएम पति

जिला मुख्यालय में बैकुंठपुर एसडीएम के रूप में संयुक्त कलेक्टर अंकिता सोम पदस्थ हैं,दोहरा प्रभार के कारण कामकाज ठीक ढंग से नही हो पा रहा है। वहीं उनके पति समीर शर्मा इसी अनुविभाग के पटना उप तहसील में नायब तहसीलदार के रूप में कार्यरत हैं,एक दूसरे के कार्यो में दोनो का गजब हस्तक्षेप भी देखने को मिल रहा है। सूत्रो ने बतलाया कि एसडीएम अंकिता सोम के हस्तक्षेप से पूर्व में पटना में पदस्थ नायब तहसीलदार को सोनहत भेज दिया गया है।

पति के आदेश को कैसे बदलेंगी पत्नी

बतलाया जाता है कि यदि किसी पक्षकार द्वारा पटना उप तहसील में जमीन संबंधी कोई प्रकरण दर्ज कराया जाता है उसकी सुनवाई और उस पर निर्णय नायब तहसीलदार द्वारा ही लिया जाएगा। निर्णय से यदि पक्षकार असंतुष्ट है तो वह अपील अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष करेगा, यहां पति नायब तहसीलदार और पत्नी अनुविभागीय अधिकारी हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि नायब तहसीलदार पति के आदेष को अनुविभागीय अधिकारी आखिर बदलेंगी। इस मामले में पक्षकार का हित प्रभावित होगा और उसे न्याय नही मिलेगा।

मुख्यालय तहसील की स्थिति और ज्यादा बदतर

विभाजन के बाद कोरिया जिले में बैकुंठपुर और सोनहत दो तहसील शेष हैं। पटना एवं बचरापोड़ी उप तहसील हैं। लेकिन सबसे ज्यादा बुरी स्थिति बैकुंठपुर तहसील की है। जिला मुख्यालय के तहसील में इतनी बुरी स्थिति हे कि पक्षकार परेषान है। यहां कर्मचारियों का बोलबाला है,अधिकारी बेपरवाह हैं। कई कर्मचारी वर्षो से जमे हुये हैं इस वजह से किसी को कुछ नही समझते। पक्षकारों ने बताया कि कुछ कर्मचारी अधिकारी को दिग्भ्रमित करते फिरते हैं। कर्मचारियों द्वारा दलालो को पूरा संरक्षण दिया जाता है,उनके लिए रात में भी कार्यालय का संचालन किया जाता है। जिला मुख्यालय मे ही एसडीएम और कलेक्टर कार्यालय है लेकिन तहसील की स्थिति एकदम चरमराई हुई है। लंबित प्रकरण की संख्या काफी अधिक है लेकिन इस ओर कभी ध्यान नही दिया जाता। विभाग मे पदस्थ कई पटवारी भी तहसील कर्मचारियों के कार्य व्यवहार से काफी परेशान रहते हैं।

विभाग में दलाल सक्रिय

जिले का राजस्व विभाग दलालो के चंगुल में हैं देखकर लगता है इस विभाग का संचालन उनके द्वारा ही किया जा रहा है। पटवारी से लेकर तहसील व एसडीएम कार्यालय के कर्मचारियों का दलालो से जबरजस्त सांठगांठ है,दलाल राजस्व विभाग से कोई भी काम आसानी से कराने का दावा करते फिरते हैं। जिला मुख्यालय में सक्रिय दलालो के गिरोहो द्वारा अधिकारियो को भी सारी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। तहसील व एसडीएम कार्यालय में दलाल दिन भर सक्रिय दिखलाई देते हैं।

कार्य के लिए समय नहीं दर निर्धारित

राजस्व विभाग में वैसे तो हर काम के लिए शासन द्वारा एक समय सीमा निर्धारित की गई है,समय सीमा में काम करने का सूचना पटल कार्यालयों में लगाया गया है। लेकिन समय सीमा केवल दीवारो की शोभा बढाने तक सीमित है। शायद ही कोई काम हो जो कि समय पर पूरा किया जा रहा हो। सूत्र बतलाते हैं कि पटवारी से लेकिर आरआई,तहसीलदार व एसडीएम कार्यालय स्तर पर प्रत्येक कार्य के लिए दर निर्धारित कर दिया गया है। नामांतरण, बटवारा, जमीन की नपाई, चैहद्दी, परमिषन, डायवर्सन जैसे राजस्व विभाग से संबंधी समस्त कार्यो के लिए दर निर्धारित है। डायवर्सन के लिए जिला मुख्यालय में लगभग 20-25 हजार रूपये खर्च करना पड़ रहा है। जो व्यक्ति सुविधा शुल्क खर्च करने में सक्षम नही है उसे कार्यालय का चक्कर लगाना मजबूरी बन गया है। शुल्क देने पर तत्काल सुविधा भी उपलब्ध है।

कार्यालय से नदारत रहते हैं पति-पत्नी अधिकारी

जिले में प्रशासनिक व्यवस्था हाफ रही है, जनता परेशान है। पक्ष विपक्ष सिर्फ राजनैतिक रोटी सेकने में व्यस्त है। जनता की समस्याओं से किसी को लेना देना नही है। न तो कलेक्टोरेट में अधिकारी वर्ग मिलता है और न ही अन्य जिला कार्यालयों में। आमजन की ओर से मिल रही समस्या पर यदि गौर किया जाए तो आलम यह है कि बैकुंठपुर एसडीएम अंकिता सोम भी अपने कार्यालय में ज्यादा समय तक नही बैठती है तो वहीं उनके पति नायब तहसीलदार समीर शर्मा भी अपने कार्यालय पटना उप तहसील में भी काफी कम बैठते हैं। स्थिति देखकर लगता है कि पति-पत्नी अधिकारी एकदम मनमर्जी पर ऊतारू हैं जिससे कि आमजन परेषान हो रहे हैं। कलेक्टर का इस ओर ध्यान न देना भी परेशानी का सबब बन गया है। यह हम नहीं कार्यालय का चक्कर लगने वाले का कहना है।

कलेक्टर कभी नहीं लेते संज्ञान,चरमराई व्यवस्था

जिले में प्रशासनिक प्रमुख कलेक्टर द्वारा कभी भी इस ओर संज्ञान नही लिया जाता है। जब भी नए कलेक्टर की पदस्थापना होती है, तो उनके द्वारा एकाध बार तहसील, एसडीएम कार्यालयो का औचक निरीक्षण कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है उसके बाद कलेक्टर भी इन कार्यालयो की ओर झांक कर नही देखते। मातहत अधिकारी भी कलेक्टर को झूठी जानकारी देकर वाहवाही लूटते रहते हैं। अक्सर देखने को मिलता है कि जब एसडीएम व तहसील कार्यालय संबंधी कोई भी समस्या या परेषानी कलेक्टर तक पहुंचती है तो संबंधित स्टाफ को बचाने अधिकारी द्वारा कलेक्टर को भी दिग्भ्रमित कर षिकायत करने वाले व्यक्ति को ही फर्जी बता दिया जाता है। षिकायत मिलने पर खानापूर्ति कर दी जाती है जिससे कि विभागीय कर्मचारियो के हौसले बुलंद रहते हैं। कलेक्टर द्वारा यदि समय समय पर तहसील व एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण कर आम जन को हो रही परेषानी को देखा जाए तो व्यवस्था और भर्राषाही में सुधार हो सकता है लेकिन कलेक्टर द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया जाता जिससे कि व्यवस्था एकदम चरमराई हुई है। जाहिर सी बात है आम जन का सबसे ज्यादा काम राजस्व विभाग से ही पड़ता है, इस विभाग से ही शासन की छवि भी बनती और बिगड़ती है,जिले में राजस्व विभाग का हाल बेहाल है ऐसे में शासन की छवि भी धुमिल हो रही है।

तहसीलदार के आईडी से घटता व बढ़ता रहा रकबा फिर भी तहसीलदार पर कार्यवाही क्यों नहीं ?

कोरिया जिले में एक गजब का मामला सामने आया है। यह मामला पटना तहसील व पटना धान खरीदी केंद्र से जुड़ा हुआ है। जहां पर एक किसान धान बेचने के लिए तहसील कार्यालय से जमीन का रकबा बढ़वाता था और फिर धान बेचने के बाद राशि आहरण कर उस रकबा को कम करवा देता था। यह खेल कब से चल रहा है, यह तो जांच का विषय है। परंतु ऐसा करके किसान ने काफी राशि का लाभ अर्जन किया। संदेह होने पर जब मामले की जांच की गई तो जांच में यह पाया गया कि उक्त किसान अन्य व्यक्तियों के रकबे को अपने खाते में शामिल करा कर समिति में धान बेचता था, एवं राशि आहरण पश्चात अपने रकबे को मूल रूप से परिवर्तित करा लेता था। चूंकि समिति में पंजीकृत किसानों के रकबे में परिवर्तन तत्संबंधित तहसीलदार की आईडी से ही संभव होता है, अतः कहीं ना कहीं पूरे मामले में संबंधित तहसीलदार एवं वहां कार्यरत कर्मचारियों की भूमिका भी संदेहास्पद है। बगैर मिलीभगत के रकबा में परिवर्तन का यह खेल संभव नहीं है। इस पूरे मामले में सहकारी समिति के कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध है, क्योंकि रकबे के पंजीयन की कार्यवाही वहीं से प्रारंभ होती है।

क्या एफआईआर सिर्फ अशासकीय कर्मचारी पर ?

पूरे मामले में तहसील कार्यालय में कार्यरत अवैधानिक तरीके से कार्य कर रहे कंप्यूटर ऑपरेटर की बात हो या फिर सहकारी समिति के कर्मचारियों के संलिप्तता की। उनके ऊपर केवल एफआईआर और जांच प्रकरण ही संभव है, बड़ी कार्यवाही के नाम पर न तो उनकी शासकीय नौकरी जा सकती है और ना उनसे नुकसान की भरपाई कराई जा सकती है। क्योंकि विडंबना ऐसी है कि यै शासकीय कर्मचारी नहीं अपितु शासन के इतने महत्वपूर्ण कार्य को देख रहे व्यवस्था के तहत कार्यरत कर्मचारी हैं। ना तो इनकी नियुक्ति वाजिब तरीके से हुई है, ना ही इनके पास किसी प्रकार के कोई कार्य आदेश हैं। बल्कि समिति में कार्यरत यह लोग राजनीतिक रसूख वाले व्यक्तित्व के द्वारा उपकृत हैं और शायद यही कारण है कि बड़े-बड़े गोलमाल करने का यै दुस्साहस आसानी से जुटा लेते हैं। क्योंकि इन्हें किसी प्रकार की कार्यवाही या नौकरी जाने का भय नहीं रहता। विडंबना तो इस बात की है कि ऐसे जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करने के लिए व्यवस्था के तहत कर्मचारी ही क्यों रखे जाते हैं। जबकि इनके स्थान पर शासकीय कर्मचारियों की नियुक्ति की जा सकती है।

असली जिम्मेदारों का नाम एफआईआर से गायब क्यों ?

उपरोक्त पूरे मामले में जहां तहसीलदार की आईडी का बारंबार प्रयोग रकबे में हेरफेर के लिए किया गया है। तो कहीं ना कहीं पूरे प्रकरण की जिम्मेदारी भी उन पर आयद होती है। साथ ही इतने बड़े गोलमाल की जानकारी सहकारी समिति में कार्यरत कर्मचारियों की सहमति के बगैर संभाव्य हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता है। अतः पूरे प्रकरण में केवल धान कोचिया और तहसील में निजी रूप से कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर पर हि अपराध दर्ज कर जिम्मेदार अधिकारियों को प्रकरण से परे रखना आश्चर्य का विषय है।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में 25 जनवरी को होगा राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर के निर्देशानुसार 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम के लिए मिनीमाता कन्या महाविद्यालय का चयन किया गया है। इस अवसर पर निर्वाचन कार्यो मे संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों एवं संस्थाओं के 01 जनवरी 2022 के पश्चात् संपादित उत्कृष्ट निर्वाचकीय कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर इस अवसर पर उत्कृष्ट निर्वाचकीय कार्य, क्रियाशील फोटो युक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, मतदान केंद्रों के युक्तियुक्त करण तथा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी, बीएलओ, प्राध्यापक नोडल अधिकारी, कैम्पस एंबेसेडर, मतदाताओं का सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र का वितरण किया जाएगा। विभिन्न मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं एवं छात्राओं द्वारा रंगोली का भी आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालयीन स्वीप टीम के छात्र-छात्राओं द्वारा समूह नृत्य गीत एवं नुक्कड़ नाटक जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

स्व.अंजनी कुमार स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में कटकोना ने डबरीपारा को हराकर किया खिताब पर कब्जा

- » विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 25000 व उपविजेता को द्वितीय पुरस्कार 12500 हजार प्रदान किया गया
- » डबरीपारा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का लिया फैसला 12 ओवर में बनाएं 102 रन
- » कटकोना ने लक्ष्य को 4 विकेट खो कर 9 ओवर में ही पूरा कर 6 विकेट से फाइनल जीतकर खिताब पर किया कब्जा

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

स्वर्गीय अंजनी कुमार समिति क्रिकेट प्रतियोगिता वर्ष 2023 का आयोजन कटकोना के एसईसीएल मैदान में किया गया था, जिस का फाइनल मैच डबरीपारा व कटकोना के बीच खेला गया, जिसमें डबरीपारा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 102 रन ही बना पाई, कटकोना के सामने 103 रन बनाने का लक्ष्य था जिसे कटकोना की टीम ने 4 विकेट गंवाकर 9 ओवर में ही लक्ष्य को पूरा कर इस खिताब पर कब्जा कर लिया और इस तरह स्वर्गीय अंजनी कुमार स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता पर कटकोना का कब्जा रहा।

स्व. अंजनी कुमार स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता वर्ष 2023 के समापन समारोह के मुख्य अतिथि बी.एन. झा महाप्रबंधक बैकुंठपुर क्षेत्र कार्यक्रम की अध्यक्षता आर.के.मंडल सहक्षेत्र प्रबंधक कटकोना विशिष्ट अतिथि आर.आर. लकड़ा क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक बैकुंठपुर क्षेत्र एस.के.पांडेय खान प्रबंधक कटकोना एवं क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति सदस्य सी.एम.ओ.ए.आई से डॉक्टर ए.के.बिराजी, ए.के.सोनकपुरिया, सीटू से इन्द्र देव चौहान, एटक से महेश यादव, बी.एम.एस से शिव कुमार दुबे, लक्ष्मी प्रसाद इंटक से कमलेश्वर सिंह बघेल एवं साथ ही सुनीता कुर्रे जिला पंचायत सदस्य, शिव शंकर सिंह जनपद सदस्य, बिरंची सिंह सरपंच ग्राम पंचायत कटकोना के.के.शर्मा उप सरपंच कटकोना के साथ ग्राम पंचायत कटकोना के सभी पंच कटकोन के सभी विद्यालय के प्राचार्य शिक्षक शिक्षिका सभी श्रम संगठन के क्षेत्रीय वेलफेयर सदस्य क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य इकाई के सभी जेसीसी वेलफेयर सदस्य की गरिमामय उपस्थिति में क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न हुआ। शैला एवं शुगा नृत्य कटकोना की टीम के द्वारा मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का स्वागत किया गया, स्वागत भाषण योगेंद्र मिश्रा ने आभार व्यक्त अजय सिंह ने किया कार्यक्रम में शासकीय स्कूल कटकोना, खजूरा हिल स्कूल, इंडियन पब्लिक स्कूल, आइडियल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की कटकोना क्रिकेट क्लब की टीम के कप्तान राकेश चक्रधारी के नेतृत्व में टीम सदस्यों ने डबरी पारा की टीम को हराया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मुकेश गुप्ता ने किया कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज कोरिया के जिला अध्यक्ष बृज नारायण मिश्र, ध्रुव नाथ तिवारी, मनोज पांडेय अभिषेक द्विवेदी, करुणा, राघवेंद्र तिवारी उपस्थित थे साथ ही स्व. अंजनी कुमार मिश्र के परिवार के सदस्य एवं उनके बहनोई राकेश शुक्ला अंबिकापुर से एवं बहनें उपस्थित थीं साथ ही पत्रकार साथीयों को समान्नित किया गया।

इन के योग दान से सफल रहा स्व अंजनी कुमार समिति क्रिकेट प्रतियोगिता

इंपायर की भूमिका सनी सिंह, अजय टेलर एवं कॉमेंटेटर की भूमिका अजय सेन, मुरारी स्कोरर की भूमिका धर्मेन्द्र एवं सूरज केवट ने किया, कार्यक्रम में चौकी प्रभारी धनंजय सिंह एवं उनकी टीम ने पूरे कार्यक्रम के दौरान चुस्त दुरुस्त व्यवस्था रखी थी और उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल के द्वारा चलाए जा रहे अभियान समर्पण एवं निजात अभियान के बारे में जनजागरण किया, कार्यक्रम में चौकी प्रभारी धनंजय सिंह एवं उनकी टीम ने पूरे कार्यक्रम के दौरान चुस्त दुरुस्त व्यवस्था रखी थी और उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल के द्वारा चलाए जा रहे अभियान समर्पण एवं निजात अभियान के बारे में जनजागरण किया।

इनका रहा शानदार प्रदर्शन

मैन ऑफ द मैच रहे विकास जिन्होंने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिया, मैन ऑफ द सीरीज रहे राकेश चक्रधारी पुरे प्रतियोगिता 122 व 6 विकेट लिए, बेस्ट फील्डर रहे संदीप,बेस्ट बॉलर रहे पिंकेश जिन्होंने पुरे प्रतियोगिता शानदार गेंदबाजी करते हुए 12 विकेट लिए।

अभी तक ग्राम पंचायत मंझौली में स्टोन क्रेशर ही उगल रहा था धूल अब उसके साथ डामर प्लांट भी उगलेगा जहरीला धुआं

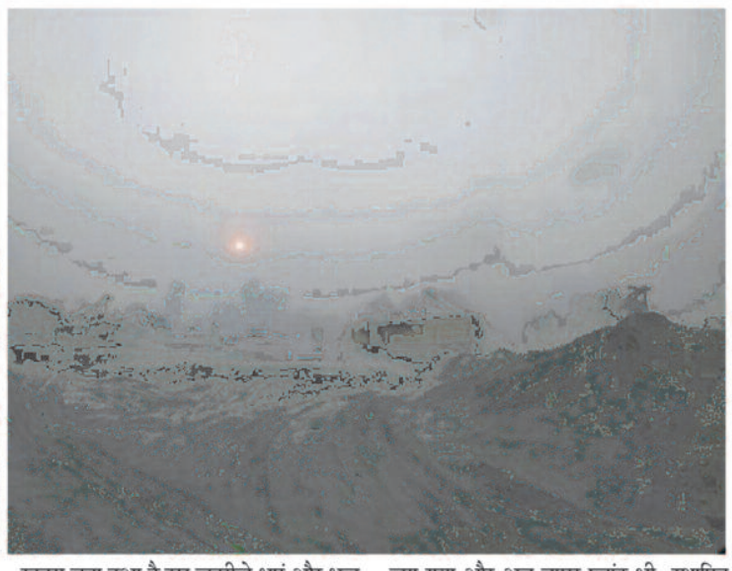

» सड़क निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार ग्रामवासीयो के स्वास्थ्य से खेल रहे है खेलवाड

- राजेन्द्र कुमार शर्मा -
खडगवा, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदार के द्वारा ग्राम पंचायत मंझौली में अंशिका स्टोन क्रेशर पूर्व से संचालन किया जा रहा है और अब स्टोन क्रेशर के साथ डामर प्लांट भी स्थापित है उसके बाद भी मंझौली ग्राम पंचायत में डामर प्लांट भी धड़ल्ले से स्थापित किया गया है।

अभी तक मझौली गांव के निवासी सिर्फ स्टोन क्रेशर के धूल से परेशान थे और अब डामर का प्लांट से निकलने वाली जहरीले धुएं से स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल हो रहा है और आस पास की उपजाऊ भूमि भी स्टोन क्रेशर के धूल से पटती जा रही है जिससे इस भूमि पर फसलों की पैदावार भी दिनों दिन घट रही है जिससे गांव के निवासी भी काफी चिंतित हैं कि वो दिन दूर नहीं जब भूमि पूरी बंजर हो जाएगी।

शिकायतों के बाद भी किसी प्रकार कि कोई कार्यवाही नहीं होती है स्टोन क्रेशर संचालक रसूखदार होने के कारण जांचकर्ता अधिकारी जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति कर जाच पूर्ण कर दिया जाता है और स्टोन क्रेशर उसी तरह से फिर संचालित हो जाता है।

स्थानीय ग्रामीणों ने स्टोन क्रेशर के उड़ती धूल के संबंध में जिला प्रशासन से कई बार शिकायत की गई उसका निराकरण हुआ ही नहीं और एक नयी समस्या तैयार हो रही है उसी स्थान पर डामर प्लांट लगाया जा रहा है इस डामर प्लांट से निकलने वाला जहरीला धुएं से कैंसर एवं सास की बिमारी होने का खतरा बना हुआ है इस जहरीले धुएं और धूल से लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा, और वातावरण भी प्रदुषित हो रहा है जिसका असर पशुओं पर भी पड रहा है इस धूल और धुएं के साथ निकलने वाली काली राख भी उड़कर चारा एवं पेड़ पौधों में जम रहे हैं जिससे पशुओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके बाद भी पर्यावरण एवं खनिज विभाग के आला अधिकारी स्टोन क्रेशर एवं डामर प्लांट को लगाने की अनुमति दे दी गई है डामर प्लांट लगाने के लिए पर्यावरण प्रदुषण विभाग से अनुमति मांगी होगी और पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारी स्थल निरीक्षण में आकर स्थल की देखरेख करके अनुमति दिया गया होगा ग्राम पंचायत की ग्राम सभा से अनुमति प्राप्त की गई होगी मगर रसूखदार होने के कारण और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण किसी प्रकार की रोक नहीं लगी और स्टोन क्रेशर भी लग गया और अब डामर प्लांट भी स्थापित हो गया है जो आगे चलकर लोगों के लिए मुशिबत और स्वास्थ्य ख़राब होने का कारण बनेगा।

ग्राम पंचायत मंझौली में रहने वाले ग्रामीण लोग भी स्टोन क्रेशर की धूल से परेशान थे और अब डामर प्लांट के जहरीले धुएं की समस्याओं से परेशान होते रहेंगे इससे निकलने वाला धुआ भी लोगों के साथ पशुओं भी स्वास्थ्य को बिगाडेगा इस ओर पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण विभाग के द्वारा किसी प्रकार की कोई कार्यवाही करने की जरूरत ही नहीं समझ रहा है।

डामर प्लांट के धुएं से हो सकती है गंभीर बिमारी

डामर प्लांट से निकलने वाली जहरीला धुआं से सांस एवं कैंसर जैसी बीमारियों होने का खतरा ज्यादा बढ़ रह है यह बच्चों बुजुर्गों के लिए और पशुओं के लिए भी काफी घातक होता है। किंतु इसके बावजूद ठेकेदार अपनी गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाए खड़ा है। लोगों को इस जहरीले धुएं से प्रदूषण की समस्या से छुटकारा दिलाने के बदले मनमानी हो रही है।

जबकि डामर प्लांट का धुआं काफी जहरीला होने के साथ मानव जीवन के लिए काफी घातक इस डामर प्लांट का धुआं सीधा निकल रहा है। इस डामर प्लांट में पोलिशन यंत्र लगाया जाता है जिससे धुआं मे मिश्रित जहरीला पदार्थ साफ हो कर निकलता है जो डामर प्लांट में उपयोग नहीं किया गया है जिससे धुआं ग्राम वासियो के साथ पशु पक्षियों के वन संपदा पर भी हानि पहुंचा रहा है। और इस से पर्यावरण असंतुलित हो रहा है।

श्री अवधूत भगवान राम सेवा संस्थान का वार्षिक उत्सव संपन्न

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

श्री अवधूत भगवान राम सेवा संस्थान का वार्षिक उत्सव कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति हवन पूजन भंडारा वस्त्र वितरण के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम में अपुर बनारस बिहार झारखंड छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से लोगो का आगमन हुआ बाबाजी ने आशीर्वाद स्वरूप अपने संबोधन में कहा कि दीन दुखियों के रूप में ईश्वर हमारे पास आते हैं इसलिये गरीबों को ही अपना ईश्वर मानकर उनकी सेवा ही सच की ईश्वर सेवा है

बिना कार्य के राशि आहरण करने महिला सरपंच पर दबाव

» पूर्व सरपंच के हस्ताक्षर युक्त डीएससी से आचार संहिता के दौरान निकाले गए रुपये

- राजा मुखर्जी -
कोरबा, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

जिले के ग्राम पंचायत रजगामार की सरपंच श्रीमती रामूला राठिया के द्वारा उपसरपंच जितेंद्र राठौर पर आर्थिक गड़बड़ी करने का लगाया गया आरोप। श्रीमती रामूला राठिया के द्वारा उपसरपंच जितेंद्र राठौर पर पंचायत चुनाव की आचार संहिता के दौरान लाखों रुपए आहरित कर गबन करने व उस पैसे को चुनाव में खर्च करने का आरोप लगाते हुए विधायक व कलेक्टर से शिकायत की गई है। आरोप है कि नई सरपंच बनने के बाद भी पुराने सरपंच के हस्ताक्षर से पैसा निकाला जाता रहा। ग्राम पंचायत रजगामार की सरपंच श्रीमती रमुला राठिया ने बताया कि 28/01/2020 को पंचायत चुनाव हुआ था जिसमें मैं निर्वाचित होकर सरपंच बनी , लेकिन चुनाव के 01 दिन पहले 27/01/2020 को पंचायत चुनाव आचार संहिता के दरमियान रजगामार के उपसरपंच जितेंद्र राठौर के द्वारा पूर्व सरपंच व सचिव कौशल सोनवानी के डीएससी का गलत उपयोग कर 14वें वित्त के लाखों रुपए की राशि आहरित कर गबन कर लिया गया और कुछ पैसा अपने व पूर्व सरपंच के चुनाव में शासकीय रकम को खर्च किया गया। इसी तरीके से मेरे चुनाव जीतने के बाद भी पुराने सरपंच श्रीमती बृज कुवर राठिया के ही हस्ताक्षर युक्त डीएससी से 14वे वित्त की करीब 40 लाख रुपए के लगभग राशि उपसरपंच जितेंद्र राठौर के द्वारा आहरित कर गबन कर लिया गया। मेरे द्वारा पूर्व में भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा को पत्र के माध्यम से इसकी शिकायत किया गया था ,लेकिन आज तक उसकी किसी तरह की कार्यवाही नहीं की गई। उपसरपंच जितेंद्र राठौर एवं उनके कुछ अन्य पंच जो अपने वार्ड का विकास तो कराते नहीं हैं और बिना विकास कार्य को कराए कमीशनखोरी करना चाहते हैं। मेरे द्वारा बिना कार्य के किसी को भी भुगतान नहीं करने की बात पर मुझे डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है। मेरे द्वारा क्षेत्रीय विधायक ननकीराम कंवर और कलेक्टर कोरबा को शिकायत पत्र देते हुए जांच की मांग की गई है ढ्ढ कलेक्टर ने शिकायत पर जांच कराने का आश्वासन दिया है और अधिकारियों को निर्देश भी दिया गया है। सरपंच ने कहा है कि मेरे ऊपर जो झूठा आरोप लगाया गया है वह पूर्ण रूप से बेबुनियाद व गलत है। 15वे वित्त की राशि जो आहरित किया गया है वह किए गए कार्य के भुगतान मे खर्च किया गया है ढ्ढ किसी तरीके से गलत राशि भुगतान नहीं किया गया है । उपसरपंच जिन पंचों का सहारा लेकर झूठा शिकायत कर रहे हैं वे सभी पंच एसईसीएल मकानों के वार्डों से निर्वाचित हुये है । सरपंच श्रीमती रामूला राठिया ने कहा कि यदि प्रशासन मेरे पर लगी आरोप की जांच कराती है तो मैं निश्चित तौर पर हर जांच के लिए तैयार हूं और मेरा पूरा सहयोग भी प्रशासन को रहेगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0- अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आनन्द श्रीवास्तव आ0 छोटेलाल श्रीवास्तव जाति कायस्थ निवासी ग्राम/नगर गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम हर्राटिकरा तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 278/40 रकबा 0.019 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति,आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है,जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 04/02/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/01/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

// ईश्तहार //

रा0प्र0क्रं0-202301262100007
अ-21/2022-23

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम संजयनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णा विश्वास आ0 .सहदेव विश्वास जाति बंगाली निवासी ग्राम महावीरपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने शामिल खाते की पुर्नवास विभाग से प्राप्त भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 309/3, रकबा 0.41 हे . भूमि को विक्रय करने हेतु अनावेदक क्रेता श्री गुरमीत सिंह बाबरा आ0 त्रिलोचन सिंह बाबरा निवासी ग्राम रिंग रोड नमनाकला अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के पास 4,70,000/- (चार लाख सत्तर हजार रू0) में विक्रय करने हेतु तय हुआ है। जिसमें से 4,50.000/- रूपए अग्रिम राशि प्राप्त कर लिया गया है। आवेदित भूमि पुर्नवास विभाग से पट्टे पर प्राप्त भूमि है। उक्त भूमि को विक्रय करने की अनुमति बाबत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 17-02-2023 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।इस तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17-01-2023 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

// ईश्तहार //

रा0प्र0क्रं0-202301262100008
अ-21/2022-23

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम संजयनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशांत गोलदार आ0 .प्रफुल्ल गोलदार जाति नमोशूद्र निवासी ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने खाते की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 307/4, रकबा 0.24 हे . भूमि को अनावेदक क्रेता श्री सरदार त्रिलोचन सिंह आ0 सरदार तेलपाल सिंह जाति सिक्ख निवासी ग्राम नमनाकला अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के पास 19,00,000/-रूपए में विक्रय करने हेतु तय हुआ है। जिसमें से 9,50.000/- रूपए अग्रिम राशि प्राप्त कर लिया हूं। आवेदित भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है। उक्त भूमि को विक्रय करने की अनुमति बाबत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत की है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 17-02-2023 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।इस तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17-01-2023 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

सीएसईबी चौकी द्वारा जनता के बीच जाकर चलाया गया निजात जागरूकता अभियान

- संवाददाता -
कोरबा, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर कोरबा जिले में अवैध नशे के विरुद्ध निजात अभियान संचालित किया जा रहा है । इस अभियान के अंतर्गत चौकी सीएसईबी प्रभारी के द्वारा आम जनता के बीच जाकर लोगो को अवैध नशे से होने वाले वाले नुकसान के बारे में बताकर नशा मुक्त समाज एवं परिवार बनाने की अपील की गई ढ्ढ लोगो से अपील किया गया की स्वयं को नशे से दूर रखना है एवं अपने परिवार व आसपास कोई नशा करता हो तो उसको भी नशे के नुकसान के बारे में बता कर नशा छोड़ने हेतु प्रेरित करना है । तथा सामान्य कानून की जानकारी , गुड टच बैड टच , अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी, यातायात नियमों का पालन करने सहित विभिन्न कानूनी जानकारियां दी गई ।

छत्तीसगढ़ जूनियर बास्केटबॉल बालिका टीम में साक्षी भगत का चयन

अंबिकापुर, 21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)।

72वीं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप बेंगलुरू कर्नाटक में 21 से 27 जनवरी तक आयोजित होना है। प्रतियोगिता में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ की राष्ट्रीय खिलाड़ी साक्षी भगत का चयन हुआ है, जो छत्तीसगढ़ जूनियर बास्केटबॉल बालिका टीम का प्रतिनिधित्व करेगी।

सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ के अध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंहदेव ने साक्षी भगत को उज्वल भविष्य की कामना करते हुए अग्रीम बधाई दी।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़

// ईश्तहार //

रा0प्र0क्रं0-202301262100009
अ-21/2022-23

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम संजयनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदिकागण श्रीमती माला विश्वास पुत्री स्व.काजल विश्वास व 2 अन्य जाति नमोशूद्र निवासी ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने शामिल खाते की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नम्बर 309/1, 319/3 रकबा 0.41,0.10 हे . भूमि को विक्रय करने हेतु अनावेदक क्रेता श्रीमती सबलीन कौर बाबरा पति त्रिलोचन सिंह बाबरा निवासी ग्राम रिंग रोड नमनाकला अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के पास 10,50,000/- रूपए में विक्रय करने हेतु सौदा तय किया गया है। जिसमें से 3,00.000/- रूपए अग्रिम राशि प्राप्त कर लिया हूं। आवेदित भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है। उक्त भूमि को विक्रय करने की अनुमति बाबत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 17-02-2023 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।इस तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17-01-2023 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी(सा0)मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)
नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल के काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में दिनांक 30-01-2023 को ईमारती काष्ठ,जलाऊ चट्टों,चन्दन काष्ठ एवं टायर का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 09.00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेंवे। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।
क्रेताओं को सलाह दी जाती है कि बोली बोलने के पूर्व प्रत्येक लॉट का भली-भाँति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगायें। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंतिम रूप से मान्य होगी।

क्रं.	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	20.000	300	39.109	1577
2	साल	35.000	0	559.022	2002
3	साजा	0	0	13.554	323
4	धावड़ा	0	0	6.054	156
5	सतकठा	0	0	1.080	159
योग		55	300	618.819	4217
मिश्रित जलाऊ		60 चट्टा नया			

क्रं.	चन्दन काष्ठ विवरण	पुराना		योग	
		संख्या नग में	वजन क्विं.में	संख्या नग में	वजन क्विं.में
1	चन्दन हार्डवुड तना	142	9.604	142	9.604
योग		142	9.604	142	9.604
उपयोगशुदा टायर नया लॉट					
1	ट्रक टायर	55 नग			
2	स्वराज माजदा टायर	04 नग			
3	बेलोरो टायर	34 नग			
योग		93 नग			

टीपः-
1. ईमारती काष्ठ की नीलामी पहले 09.00 बजे प्रातः में की जावेगी। तत्पश्चात जलाऊ चट्टों एवं चन्दन काष्ठ की नीलामी की जावेगी।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाग ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड,वाणिज्य कर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं छ.ग. राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2022 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. क्रपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई.एम.डी.राशि का अलग-अलग चेक देंवे।

जी नंबर-97773/3

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल मनेन्द्रगढ़

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग(वि/यां) संभाग अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 321/NIT-18/2022-2023/व.ले.लि — दिनांक 18/01/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन पत्र क्रय करने की अंतिम तिथि :-27/01/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि : -01/02/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :-02/02/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

कार्य हेतुः-
निविदा प्रपत्र का मूल्यः-750.00 रूपए, निविदाकारों की श्रेणीः-ई-पंजीयन के अंतर्गत ''द'' से ''अ'' तक तथा कार्य की अवधि T0158 से T0159 हेतु दिनांक 31.12.2023 एवं अन्य हेतु दिनांक 30.06.2023 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्रं.18 निविदा क्रं	कार्य का नाम NoOfCalls (द्वितीय आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रू.में) बैंक सेल्वेन्सी (रूमें)
1	2	3
T0150	सरगुजा जिले के अंतर्गत माँ महामाया एअरपोर्ट दरिमा अम्बिकापुर के एयर साइड में संभावित विद्युतीकरण कार्य //जमा कार्य//	20.00-15000.00-300000.00
T0151	सरगुजा जिले में ब्लाक लुण्ड्रा के अंतर्गत संभावित शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	9.70-7275.00-145500.00
T0152	सरगुजा जिले में ब्लाक बतौली के अंतर्गत संभावित शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	9.75-7315.00-146250.00
T0153	सरगुजा जिले में ब्लाक लुण्ड्रा एवं बतौली के अंतर्गत संभावित शासकीय गैर-आवासीय भवनों में विद्युतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	9.90-7425.00-148500.00
T0154	सरगुजा जिले के अंतर्गत एच. टाईप क्वॉटर नंबर सी.एच.-01 सेतु परिसर गांधीनगर अम्बिकापुर में विद्युतीकरण कार्य(विशेष मरम्मत कार्य)।	0.40-2000.00-6030.00
T0155	जशपुर जिले में लोक निर्माण विभाग वि/यां उप संभाग जशपुर के अंतर्गत संभावित रेस्ट हाउस/सर्किट भवनों में विद्युतीकरण का संधारण मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य।	10.00-7500.00-150000.00
T0156	जशपुर जिले में ब्लाक जशपुर के अंतर्गत रैन बसेरा / प्रतिक्षालय के स्त्री एवं पुरूष शौचालय कलेक्टोरेट के पास जशपुर में विद्युतीकरण// सिविलजमा कार्य//	1.94-2000.00-29100.00
T0157	जशपुर जिले में ब्लाक जशपुर के अंतर्गत हॉकी स्टेडियम जशपुर में दो नग गॉड रूम का विद्युतीकरण का कार्य// सिविल जमा कार्य//	1.84-2000.00-27600.00
T0158	जशपुर जिले में लोक निर्माण विभाग भ./स . संभाग पत्थलगांव के अंतर्गत पोल/ट्रांसफार्मर एल.टी.एवं एच.टी. लाईन शिफ्टिंग का कार्य/ सिविलजमा कार्य//	19.95-14965.00-299250.00
T0159	जशपुर जिले में लोक निर्माण विभाग भ./स . संभाग पत्थलगांव के अंतर्गत पोल/ट्रांसफार्मर एल.टी.एवं एच.टी. लाईन शिफ्टिंग का कार्य/ सिविलजमा कार्य//	19.95-14965.00-299250.00
T0160	जशपुर जिले में ब्लाक जशपुर के अंतर्गत शासकीय कन्या पी.जी. कॉलेज जशपुर के अतिरिक्त कक्ष में विद्युतीकरण कार्य/ // सिविलजमा कार्य//	9.51-7135.00-142650.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग(वि/यां) संभाग
अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)

जी नंबर-97755/1

C M Y K

भारत ने न्यूज़ीलैंड को 8 विकेट से हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई,घर में लगातार 7वीं वनडे सीरीज अपने नाम की

टॉस जीतकर फैसला भूले रोहित, कॉल लेने में 20 सेकेंड लगे

टॉस के दौरान एक मजेदार वाकया हुआ। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टॉस जीतकर फैसला लेना भूल गए। दरअसल, टॉस जीतने के बाद रवि शास्त्री ने उनसे पूछा कि वे क्या कहना चाहते हैं। ऐसे में रोहित भूल गए कि वे क्या करना चाहते हैं। उन्हें कॉल लेने में 20 सेकेंड से ज्यादा समय लगा।

रायपुर, 21 जनवरी 2023। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और रोहित शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया है। इसके साथ ही भारत ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 24 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

टीम इंडिया ने अपने घर में लगातार 7वीं वनडे सीरीज जीत ली है। टीम पिछले चार साल से होम वनडे सीरीज नहीं हारी है। यह वनडे में भारत की लगातार छठी जीत भी है।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम पर भारत ने टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड टीम 34.3 ओवर में 108 रन ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 27 और पिछले मैच के शतकवीर माइकल ब्रेसवेल ने 22 रन बनाए। कीवी टीम के 8 बल्लेबाज 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

भारत के लिए शमी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

जवाब में भारत ने 20 ओवर में 2 विकेट पर जीत के लिए जरूरी रन बना डाले। कप्तान रोहित शर्मा (51 रन) अपना 48वां वनडे शतक बनाकर आउट हुए। रोहित ने शुभमन गिल के साथ 86 गेंद पर 72 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

पिछली 5 पारियों में दोनों ने चौथी बार 50+ की साझेदारी की।

जीत के 5 हीरो

मोहम्मद शमी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सटीक गेंदबाजी की। उन्होंने पहले ही ओवर में कीवी टीम के ओपनर फिन एलेन को चलता कर दिया। शमी ने 6 ओवर में एक मेडन सहित 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उन्होंने एलेन के अलावा डेरिल मिचेल (1 रन) को आउट कर मिडिल ऑर्डर की कमर तोड़ दी। फिर नंबर-7 पर खेलने आए माइकल ब्रेसवेल (22 रन) को आउट किया। यहां ब्रेसवेल अपने पैर जमा रहे थे।

हार्दिक पंड्या ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी गेंद से प्रभाव छोड़ा। उन्होंने 6 ओवर की गेंदबाजी में 3 मेडन ओवर फेंके। पंड्या ने 16 रन खर्च करके 2 विकेट चटकाए।

वॉशिंगटन सुंदर स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर ने कीवी टीम की पारी समेटने में अहम योगदान दिया। उन्होंने धीरे-धीरे पैर जमा रहे ग्लेन फिलिप्स को चलता किया। फिर लोकी फर्ग्युसन के रूप में न्यूजीलैंड को नौवा झटका दिया।

रोहित शर्मा कप्तान रोहित शर्मा ने भारतीय टीम को आक्रामक शुरुआत दिलाई। उन्होंने 50 गेंदों में 51 रन बनाए। रोहित की पारी से टीम इंडिया को मजबूत शुरुआत मिली।

शुभमन गिल युवा बल्लेबाज शुभमन गिल (40 रन) ने अपने बल्ले से छाप छोड़ी। गिल आखिरी तक खेलते रहे और टीम को जिताकर लौटे। इस युवा बल्लेबाज ने रोहित के साथ 72, विराट कोहली के साथ 26 रनों की पार्टनरशिप की।

ऐसे गिरे भारत के विकेट...

पहला- शिप्ले ने 15वें ओवर की दूसरी बॉल पर रोहित शर्मा को क्लीन बोल्ड कर दिया।

दूसरा - 19वें ओवर की पहली बॉल पर लॉथम ने सेंटनर की बॉल पर कोहली को स्टंपिंग कर दिया।

108 रन पर सिमटी कीवी टीम

रायपुर में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड 108 रन पर ऑलआउट हो गई। कीवी टीम के 8 बल्लेबाज दहाई 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। मिचेल सैंटनर ने 27 और पिछले मैच के शतकवीर माइकल ब्रेसवेल ने 22 रन बनाए। भारत के लिए शमी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय टीम पहला मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मुकाबले में जीत मिलने पर सीरीज भारत के नाम हो जाएगी।

ऐसे गिरे न्यूजीलैंड के विकेट

पहला: मोहम्मद शमी ने पहले ओवर की 5वीं बॉल पर फिन एलेन को बोल्ड कर दिया।

दूसरा: छठे ओवर की तीसरी बॉल पर मोहम्मद सिराज ने हेनरी निकोलस को स्लिप पर खड़े शुभमन गिल के हाथों कैच कराया।

तीसरा: मोहम्मद शमी ने 7वें ओवर की पहली बॉल पर डेरिल मिचेल को कैच एंड बोल्ड किया।

चौथा: 10वें ओवर की चौथी बॉल पर हार्दिक पंड्या ने कॉन्वे को कैच एंड बोल्ड किया।

पांचवां: लॉथम को शुभमन गिल ने शार्दूल ठाकुर की बॉल पर कैच किया।

छठा: मोहम्मद शमी ने 19वें ओवर की तीसरी बॉल पर ब्रेसवेल को ईशान किशन के हाथों कैच कराया।

सातवां: 31वें ओवर में पंड्या ने सेंटनर को बोल्ड कर दिया।

आठवां: 32वें ओवर की पहली बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर ने ग्लेन फिलिप्स को डीप मिडविकेट पर कुलदीप यादव के हाथों कैच कराया।

नौवां: 34वें ओवर की पहली बॉल पर सुंदर ने फर्ग्युसन को कुलदीप के हाथों कैच कराया।

दसवां: कुलदीप यादव ने टेकनर को LBW करा दिया।

भारत: रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

न्यूजीलैंड: फिन एलेन, ड्वेन कॉन्वे, हैनरी निकोलस, डेरिल मिचेल, टॉम लॉथम (कप्तान), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सेंटनर, हेनरी शिप्ले, लोकी फर्ग्युसन, ब्लेयर टेकनर।

अच्छा सिला दिया सॉन्ग हुआ रिलीज, राजकुमार राव नोरा फतेही संग रोमांस करते आए नजर

इन दिनों बॉलीवुड में रीमेक गानों का बहुत चलन है. कई लोगों को पुराने गानों के रीमेक पसंद आते हैं तो कई लोग इन गानों की आलोचना करते हैं. लेकिन फिर भी, यह चलन जारी है. साथ ही अब एक और 90 के दशक का गीत रीक्रिएट किया गया है. यह गीत फिल्म बेवफा सनम का सदाबहार क्लासिक सॉन्ग अच्छा साला दिया है. यह ओरिजिनल गीत सोनू निगम द्वारा गाया गया था और आज तक प्यार में डूबे हुए प्रेमियों और दिल टूटने वालों का पसंदीदा गीत माना जाता है. बता दें कि, इस गाने के रीमेक सॉन्ग में राजकुमार राव और नोरा फतेही नजर आने वाले हैं. इस गाने का टीजर बीते दिन जारी किया गया था और आज इस क्लासिक सॉन्ग को रिलीज कर दिया गया है.

आपको बता दें कि, इस गाने का टीजर टी-सीरीज द्वारा 18 जनवरी को रिलीज़ किया गया था और पूरा गाना आज 19 जनवरी को रिलीज किया गया है. टी सीरीज ने रीमेक सॉन्ग को टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, इश्क कीइस बाजी में, किसकी जीत होगी और कौन जाएगा हार....अच्छा सिला दिया टीज़र आउट! गाना 19 जनवरी 2023 को रिलीज हो रहा है. देखते रहिए.

सॉन्ग के बारे में बात करें तो, यह कहानी एक लव ट्राएंगल है, जिसमें राजकुमार राव अपनी प्रेमिका नोरा फतेही द्वारा धोखा दिए गए एक प्रेमी की भूमिका निभा रहे हैं. मूल गीत में टी-सीरीज के संस्थापक गुलशन कुमार के छोटे भाई भूषण कुमार और नम्रता शिरोधकर ने अभिनय किया था. यह 1995 की फिल्म स्वर्गीय गुलशन कुमार द्वारा निर्मित और निर्देशित की गई थी और विशेष रूप से इसके साउंडट्रैक के लिए एक बड़ी हिट बन गई थी. भूषण कुमार के एक अभिनेता के रूप में उनके छोटे से करियर में यह एकलौती हिट थी, इसके बाद वह जल्द ही फिल्मों से दूर हो गए.

गौरतलब है कि, गाने के रिलीज होने के कुछ ही घंटों में यूट्यूब पर इस सॉन्ग को एक मिलियन व्यूज मिल गए हैं. साथ ही, दर्शकों को ये सॉन्ग बेहद पसंद भी आ रहा है.

हंसिका मोटवानी की वेडिंग डॉक्यूमेंट्री का फर्स्ट लुक आया सामने

साउथ सेंसेशन हंसिका मोटवानी और सोहेल खतुरिया की शादी एक भव्य समारोह थी जिसने देश भर में सुर्खियां बटोरीं। और अब प्रशंसक उनकी शादी का हिस्सा बन सकते हैं। डिज्नी प्लस हॉटस्टार इसको प्रदर्शित करेगा। हॉटस्टार के विशेष शो हंसिका का लव शादी ड्रामा में वह सब कुछ दिखाया जाएगा जो उस समय से लेकर अब तक हुआ - जैसे जब अभिनेत्री ने सोहेल के साथ शादी के बंधन में बंधने की घोषणा की, शादी के लिए इवेंट को अंजाम देने के लिए योजनाकारों, डिजाइनरों और परिवारों की सिर्फ 6 हफ्तों में तैयारी और फिर शादी, जो वास्तव में हर मायने में शानदार थी। हंसिका और उसका परिवार उस स्कैंडल को भी संबोधित करेगा जो उनकी शादी से पहले सामने आया था। हंसिका ने हॉटस्टार स्पेशल्स शो के पहले लुक का खुलासा कर दिया है, जिसकी रिलीज की तारीख बहुत जल्द घोषित की जाएगी। कोई.. मिल गया और शाका लाका बूम बूम की अभिनेत्री ने हिंदी फिल्मों में एक सफल बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया और बाद में हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में व्यावसायिक हिट फिल्मों में प्रमुख भूमिका निभाई।

पठान की एडवांस बुकिंग शुरू,पहले दिन बिक गए एक लाख से ज्यादा टिकट

किसी भी फिल्म के बॉक्स ऑफिस अनुमान को लेकर निर्माताओं और विशेषज्ञों में बराबर का उत्साह हो, ऐसा कम ही देखने को मिलता है। खासकर, कोरोना वायरस महामारी के बाद बॉक्स ऑफिस ज्यादातर निर्माताओं के लिए मायूसी ही लेकर आया है। हालांकि, शाहरुख खान की पठान अब यह ट्रेंड तोड़ती हुई दिख रही है। गुरुवार को भारत में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई और आंकड़ों ने हर किसी को चौंका दिया है।

गुरुवार को चुनिंदा जगहों के लिए ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू की गई थी और इसमें फिल्म के करीब 1.17 लाख टिकट बिक गए।

ट्रेड एक्सपर्ट तरण आदर्श के मुताबिक, गुरुवार रात तक पीवीआर में 51,000, आईनॉक्स में 38,500 और सिनेपॉलिस में 27,500 टिकट बुक किए गए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों को पहले दिन की कमाई 39-41 करोड़ रुपये तक होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

तरण का मानना है कि पठान का पहला दिन ऐतिहासिक होगा। इसकी धमाकेदार ओपनिंग होगी। इस फिल्म के लिए जिस तरह का क्रेज दिख रहा है हालिया दिनों में ऐसा कमाल कोई फिल्म नहीं कर पाई है। केजीएफ - 2 और वॉर के लिए ऐसा क्रेज देखने को मिला था, लेकिन इस बार यह वॉर से भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि वह पहले दिन 40 करोड़ की कमाई की उम्मीद कर रहे हैं। यह और भी बढ़ सकता है।

बाहुबली 2 अब तक सबसे बड़ी नॉन हॉलिडे ओपनर रही है। इस फिल्म ने पहले दिन 41 करोड़ रुपये कमाए थे। एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि पठान बाहुबली 2 का यह रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

फिल्म बुधवार को रिलीज हो रही है। इसके बाद गुरुवार को गणतंत्र दिवस है। ऐसे में फिल्म को पांच दिन का वीकेंड मिल रहा है। एक्सपर्ट्स का मानें तो फिल्म पहले वीकेंड में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है। ट्रेड एनालिस्ट गिरीश जौहर का मानना है कि फिल्म पहले वीकेंड में दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये तक कमा सकती है। तरण के मुताबिक, 2022 बेहद खराब रहा। अब हर कोई इस फिल्म की अच्छी कमाई चाहता है।

दर्शकों का क्रेज बना रहे इसके लिए निर्माताओं ने भी बेहतरीन योजना बनाई है। अब तक फिल्म का कोई भी प्रमोशनल कार्यक्रम नहीं रखा गया है। ना ही शाहरुख ने कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। निर्देशन सिद्धार्थ आनंद की योजना है कि दर्शक शाहरुख को सीधा फिल्म में देखें। फिल्म से पहले वह शाहरुख को किसी मंच पर नहीं लाना चाहते, जिससे फिल्म आने तक दर्शकों की बेकरारी चरम पर हो।

आदिवासियों की हक छीन रही कांग्रेस सरकार:डॉ.सिंह

कला केन्द्र मैदान में भाजपा द्वारा जनजातीय अधिकार महासम्मेलन का आयोजन

अंबिकापुर,21 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। शहर के कला केन्द्र मैदान में भाजपा द्वारा जनजातीय अधिकार महासम्मेलन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में संभाग भर के लगभग दस हजार जनजाति समाज के लोग महासम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव, केन्द्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह, केन्द्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, भाजपा प्रदेश सह प्रभारी नितीन नवीन, विधायक रामपुर ननकी राम कंवर, रामविचार नेताम, लता उसैंडी, रायगढ़ सांसद गोमती साय, केदार कश्यप, विष्णुदेव साय, महेश गागड़ा सहित अन्य शामिल शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने महासम्मेलन में मौजूद जनजाति समाज के लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों में मुझे 15 वर्ष मौका दिया। जब मैं पहली बार छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बना था तो बनवासी भाइयों के लिए 1 रुपए चावल देने का काम किया था। ताकि कोई भी आदिवासी भाई भूखा न सोए। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपयी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सरगुजा संभाग में सड़क नहीं थे। माओवादियों का गढ़ हुआ करता था। मैंने 15 वर्षों में गांव-गांव में सड़क, बिजली, पहुंचाने का काम किया था। सरगुजा से लेकर बस्तर तक नक्सवाद खत्म करने का काम किया था। केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को 16 लाख पीएम आवास भेजा पर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पीएम आवास के साथ-साथ गरीबों को मिलने वाला चावल भी खा गई। मैंने आप लोगों को चरणपादुका पहनाने का काम किया ताकि आप लोगों के पैर में कांट न गड़ सके। उन्होंने कहा कि अगर आप लोगों को पीएम आवास, एक रुपए चावल, कन्यादान योजना, तिर्थ योजना, छात्राओं के लिए साइकिल चाहिए तो आप लोगों आदिवसी विरोधी कांग्रस सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने जनजाति समाज को ठगने का काम किया है। आप लोगों ने हम पर 15 वर्षों तक विश्वास किया। इस बार आप लोग अपने राजा को

मुख्यमंत्री बनने की बात पर धोखे में आ गए और हमें अवसर नहीं दिया। वहीं जिस पर आपने विश्वास किया, उसी ने धोखा दिया, कांग्रेस पार्टी ने आपके राजा को मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया। भूपेश सरकार ने आप लोगों को ठग कर केवल वोट लेने के काम किया है। ऐसी आदिवासी विरोधी सरकार को आने वाले चुनाव में उखाड़ फेंकना है। प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक आदिवासी बेटी को देश के सर्वोच्च पद पर बैठा कर राष्टपति बनाने का काम किया है। वहीं भगवान बिरसा मुंडा जयंती को जनजाति आदिवासी गौरव दिवस मनाकर गौरवान्वित करने का काम केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवसी समाज के जीवन में परिवर्तन लाने का काम केवल भारतीय जनता पार्टी की कर सकती है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार आदिवासियों को केवल शोषण करने का काम किया है। इस बार जनजाति विरोध कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने की जरूरत है।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन और तेज करने की जरूरत'

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को बदलने के लिए जो महासम्मेलन में जनजाति समाज के लोगों ने एक जुटता दिखा है इससे स्पष्ट है कि इस बार बीजेपी की सरकार बनेगी। केन्द्र सरकार ने गांव-गांव में प्रधानमंत्री सड़क योजना से जोडऩे का काम किया है। केन्द्र सरकार ने छत्तीसगढ़ सरकार को 23 करोड़ रुपए विकास कार्य के लिए दिए पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने एक भी विकास के काम नहीं किए हैं। आदिवासियों पर अन्याय करने वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ और आंदोलन तेज करने की जरूरत है। पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम ने जनजातीय अधिकार महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अपने अधिकार के लिए लड़ाई का समय आ गया है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार आदिवासियों को केवल शोषण करने का काम किया है। वहीं पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। हमारी पार्टी गरीब आदिवासी समाज को लेकर चलने वाली पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासियों के विकास के लिए हर प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने कहा कि 12 जनजातियां लिपिकीय त्रुटि के कारण संवैधानिक अधिकारों से वंचित हो रही थी, इस पर केंद्र सरकार का ध्यान गया और बिंझिया, पंडो सहित अन्य जनजातियों को उनके संवैधानिक अधिकारों को हासिल करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए पहल की गई और उन्हें जनजातियों की सूची में शामिल किया है। इससे इन जनजातियों को अब आरक्षण का लाभ मिलेगा। वहीं रायगढ़ सांसद गोमती साय ने कहा कि जल-जंगल और जमीन की बात करने वाले आदिवासी दुनिया को हिलाने की ताकत रखते हैं। प्रदेश की कांग्रेस सरकार आदिवासियों के खिलाफ षडयंत्र कर रही है।

गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को राशि ट्रांसफर

रायपुर,21 जनवरी 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 1 जनवरी से 15 जनवरी तक गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय 2.13 लाख क्विंटल गोबर के एवज में उनके खाते में 4 करोड़ 27 लाख रूपए की राशि ऑन लाईन अंतरित की. गौठान समितियों को 2.23 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया. महिला समूहों के खाते में 01 करोड़ 53 लाख रूपए की लाभांश राशि अंतरित की गई.बता दें कि छत्तीसगढ़ में 20 जुलाई 2020 से गोधन योजना शुरु हुई है. -योजना में 2 रुपए प्रति के किलो की दर से अब तक 100.86 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई. गोबर विक्रेताओं को अब तक 201.72 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया. गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को अब तक 175.64 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है. इस तरह गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को अब तक 395.35 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

गणतंत्र दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर संशोधित आदेश जारी

रायपुर,21 जनवरी 2023(ए)। देश में बढ़ते कोरोना के खतरे को लेकर शासन ने निर्देश जारी कर गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय व जिला स्तरीय समारोह में स्कूली बच्चों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में रोक लगा दी गई थी। राज्य सरकार द्वारा संसोधित आदेश जारी करते हुए अब इस रोक को हटा दिया गया है। नए निर्देश के अनुसार गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी पर अब जिला स्तरीय समारोह में स्कूली बच्चों का कार्यक्रम व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे।

आईएडीव्हीएल की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

आईपीएस अंकिता शर्मा भी होंगी शामिल

रायपुर,21 जनवरी 2023(ए)। भारतीय चर्म, रतिज कुष्ट रोग संगठन की प्रांतीय शाखा की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 22 जनवरी को होटल हयात के वाडरूम में शाम 4 बजे से होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में आईपीएसअंकिता शर्मा और देश के सुप्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ गणेश पाई विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में डॉ निवेदिता राठौड़ और डॉ कर्तव्य कावड़िया के साथ पूरी कार्यकारिणी मंडल शपथ लेगी। इस अवसर पर रायपुर के लगभग 80 चर्म रोग विशेषज्ञ के साथ पूरे प्रदेश के 150 चर्म रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे।

16 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई निरस्त,

जांच उपरांत स्वास्थ्य विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

बीजापुर ,21 जनवरी 2023(ए)। बीजापुर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है. सीधी भर्ती के 16 कर्मचारियों की नियुक्ति निरस्त कर दी गई है. पूर्व सीएचएमओ सुनील भारती ने सीधी भर्ती में स्वीकृत पद से ज्यादा भर्ती की गई थी. सीधी भर्ती में गड़बड़ी की शिकायत के बाद कलेक्टर ने जांच टीम बनाकर जांच करवाई थी. जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रभारी सीएचएमओ अजय रामटेके ने आदेश जारी किए. जारी आदेश के मुताबिक जिन्हें बर्खास्त किया गया है, उनमें ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका- 6 पद, लैब असिस्टेंट- 1 पद, फार्मसिस्ट ग्रेड 2- 2 पद, चौकीदार- 1 पद, धोबी- 2 पद, वार्डआया 1 पद, वार्ड बॉय- 2 पद, मेस सर्वेंट 1 पद शामिल हैं।

मुस्लिम महिला सुल्ताना बेगम पहुंची बागेश्वर धाम के दिव्य दरबार

सनातन धर्म से प्रभावित होकर महिला हिन्दू धर्म...

रायपुर,21 जनवरी 2023(ए)। सनातन धर्म से प्रभावित होकर मुस्लिम महिला सुल्ताना बेगम बागेश्वर धाम के दिव्य दरबार पहुंची। सुल्ताना बेगम हिंदू धर्म में शामिल होने बिलासपुर से पहुंची हुई थी। राजधानी में बागेश्वर धाम के दिव्य दरबार में देश भर से लोग आ रहे है । वहीं सनातन धर्म से प्रभावित होकर सनातन को अपनाने एक मुस्लिम महिला भी सामने आई , जिनका नाम सुलताना बेगम है।
सुल्ताना बेगम ने बताया कि वे घर में भगवान की फोटो , मूर्ति की पूजा करती थी लेकिन परिवार के लोग उसे प्रताड़ित करते थे । घर में पूजा पाठ से ससुराल के लोग उसे घृणा

की नजर से देखते थे। सुलताना ने यह भी कहा कि हिंदू धर्म में भाई बहन कि शादी नहीं होती, लेकिन मुस्लिम धर्म में भाई से ही शादी रचा दी जाती है। मुस्लिम धर्म में तीन बार तलाक बोलने पर एक बेटी पूरे परिवार से अलग हो जाती है। इसी वजह से वो हिंदू धर्म में आना चाहती है।
बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सुलताना बेगम को मंच पर बुलाया और कहा कि आज से पूरे हिंदू आपके भाई बहन और परिवार हैं तुम अकेली नहीं हो बाबा बागेश्वर धाम तुम्हारे साथ है।
वहीं पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कल इसी मंच पर बाबा के सामने और सभी भक्तो और मीडिया के सामने सुलताना का नामकरण किया जाएगा। जिसके बाद पूरे कथा स्थल में बाबा बागेश्वर धाम की जय जय कार होने लगी। वहीं एक बार फिर पूरा स्थल सनातनमई हो गया।

कभी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते है बच्चे

कवर्धा,21 जनवरी 2023(ए)। कवर्धा जिले में स्कूली बच्चे अपनी जान जोखिम में डाल कर स्कूल जाने को मजबूर हो गए। वीडियो में स्कूल के बच्चे जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहे है। ठेकेदार ने पुल के दोनों किनारे को अधूरा छोड़ दिया है। बच्चे जान जोखिम में डालकर पुल के एक छोर से दूसरे छोर की तरफ जाते हैं। लेकिन कभी-कभी बांध पार करते वक्त दुर्घटनाएं भी होती हैं। यह घटना दामापुर के शिव गंगा की है।
मिली जानकारी के अनुसार, जान जोखिम में डालकर स्कूल के बच्चे रोज पुल पार करते है। ठेकेदार ने पुल के दोनों किनारे को अधूरा छोड़ दिया। इसके कारण कभी भी बडा हादसा हो सकता है। पुल के दोनों किनारे काम अधूरा ही है। लकड़ी का पुल बनाकर ग्रामीण और बच्चे आवागमन कर रहे। इस पुल से 6 गांव रोज आना-जाना के करते हैं। क्षेत्रीय जनपद सदस्य अश्वनी यदु ने स्कूलों बच्चों के साथ आंदोलन करने की चेतावनी दी।

40 मेधावी बच्चों को नीट और जेईई की परीक्षाओं की तैयारी के लिए किया गया टेबलेट का वितरण

रायपुर,21 जनवरी 2023 (ए)। बस्तर जिले के 40 मेधावी बच्चों को नीट और जेईई की परीक्षाओं की तैयारी के लिए टेबलेट का वितरण किया गया। परीक्षा के माध्यम से मेधावी बच्चों के चयन के उपरांत शनिवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बस्तर जिला प्रशासन, नीति आयोग, बाइजुस और आकाश द्वारा यह टेबलेट प्रदान किया गया। वितरण कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, जिला मिशन समन्वयक अखिलेश मिश्रा, सहायक परियोजना समन्वयक अशोक पांडे, आरफा वेलफेयर फाउंडेशन की महफूजा हुसैन, बायजुस की जिला फैलो प्रभज्योत कंबो उपस्थित थीं।

ग्राम भटबेड़ा में 04 नक्सल स्मारक ध्वस्त किया गया

नारायणपुर ,21 जनवरी 2023 (ए)। जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना ओरछा से नक्सलियों के उपस्थिति की आसूचना प्राप्त हुई थी, उक्त आसूचना पर नारायणपुर एसपी सदानंद कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल अभियान) पुष्कर शर्मा के मार्गदर्शन में उक्त अभियान अंतर्गत डीआरजी जिला बल एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की संयुक्त टीम ग्राम भटबेडा की ओर रवाना किया गया था, टीम के द्वारा आज ग्राम भटबेड़ा में नक्सल स्मारक देखा गया, जिसे नक्सल उन्मूलन अभियान में शामिल जवानों के द्वारा सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से 04 नक्सली स्मारक को ध्वस्त किया गया है।

दो महिला नक्सली समेत 3 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर ,21 जनवरी 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुए मुठभेड़ के बाद दो महिलाओं सहित तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक के सिर पर एक लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि इंडेनार गांव के जंगलों में दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ हुई।

सुरक्षाबलों ने बासगुड़ा-गंगालूर-किरंदूल इलाकों में वरिष्ठ माओवादी कैडरों की मौजूदगी के इनपुट पर एंटी नक्सल ऑपरेशन शुरू किया गया था। मुठभेड़ के बीच कुछ माओवादी भाग निकले वहीं सुरक्षाबलों ने तीन नक्सलियों को पकड़ा। जिनमे गुड्डू कुसरम, हुंगा आलवाम और इंडो शामिल हैं। कुसराम, जिसके ऊपर एक लाख रुपये का इनाम था, गंगालूर एलओएस सदस्य था।

मुख्यमंत्री पक्षी विहार का करेंगे उद्घाटन 26 को

जगदलपुर,21 जनवरी 2023(ए)। बस्तर जिला मुख्यालय के लामनी पार्क में 50 लाख की लागत से पहला पक्षी विहार बनाया गया है। यहां पक्षियों की कुल 30 प्रजातियों को रखा जाएगा। इनमें देसी और विदेशी दोनों पक्षी शामिल हैं। फिलहाल 300 पक्षियों को लाकर रखा गया है। 26 जनवरी को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस पक्षी विहार का उद्घाटन करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार लामनी पार्क में बनाए गए इस पक्षी विहार में जिन पक्षियों को रखा जाएगा, उन्हें देखने के लिए पर्यटकों को टिकट लेना पड़ेगा। इसके लिए अलग से टिकट काउंटर की भी व्यवस्था की गई है। हालांकि प्रति व्यक्ति टिकट कितना होगा यह अभी स्पष्ट नहीं है। इस

पार्क में कैक्टस गार्डन भी बनाया

गया है,जो यहां पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। कई तरह के कैक्टस यहां मौजूद हैं। अब पक्षी विहार बनने से लोगों में यहां आने उत्सुकता बढ़ेगी।
लामनी जैव विविधता पार्क के संचालक और फॉरेस्ट रेंजर देवेंद्र वर्मा ने बताया कि पिछले करीब 03 सालों से शहर के इस पार्क में पक्षी विहार बनाने का काम किया जा रहा है। वर्तमान में यहां हिरण और हंस को रखा गया है। अब देशी-विदेशी नस्ल के रंग-बिरंगे पक्षियों को रखा जाएगा। इस पार्क में सालभर पर्यटकों की भीड़ रहती है। उन्होंने बताया कि, पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। फिलहाल बेंगलुरु से 300 पक्षियों को यहां लाया गया है।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद हेमू कालाणी को किया नमन

रायपुर,21 जनवरी 2023 (ए)। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल ने आज यहाँ अपने निवास कार्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद हेमू कालाणी को आज उनके शहादत दिवस पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया । इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के अध्यक्ष राम गिडलानी, सुरेश डिडलानी, अर्जुन वासवानी, अमर बजाज, अमर पचरानी, राधा राजपाल, रवि ग्वालानी एवँ अनेश बजाज भी उपस्थित थे।
मुख्यमंत्री ने कालाणी के शहादत को याद करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को गुलामी की बेड़ियों से आजाद कराया । इन वन्दनीय वीरों में सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी शहीद हेमू कालाणी के बलिदान को देश कभी भुला नहीं पायेगा । सन 1942 में जब महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन चलाया तो 19 वर्षीय यह किशोर 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' नारे के साथ इस आंदोलन में कूद पड़ा । उन्होंने अपने साथियों के साथ विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया और लोगों से स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने का आग्रह किया ।

यंग कपल ने सड़क पर सारी हदें की पार

दुर्ग ,21 जनवरी 2023(ए)। दुर्ग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि यंग कपल चलती बाइक पर रोमांस कर रहे हैं. यह मामला संस्कृतिधानी भिलाई का है. दरअसल, एक लड़का और लड़की चलती बाइक पर ही रोमांटिक अंदाज में पेश आने लगे. लड़का बाइक चला रहा है और लड़की बाइक की टंकी पर लड़के की तरफ मुंह करके बैठी हुई है. लड़की लड़के के गले से लगाकर किस करती दिख रही है.

जो वीडियो वायरल हो रहा है, उसमें लड़का बाइक चलाता दिख रहा है. ट्रैफिक रूल्स के अनुसार लड़की को हेलमेट पहनकर बाइक पर लड़के के बगल वाली सीट पर बैठना चाहिए, लेकिन लड़की युवक की गोद में बैठकर उसे बाहों में भरकर गले लगाते हुए किस करती नजर आ रही है. बता दें कि इससे पहले लखनऊ में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जहां नाबालिग लड़की के साथ लड़के ने बाइक पर रोमांस किया. इस मामले में पुलिस ने लड़के के खिलाफ एक्शन लिया था.

कांग्रेस नेता डॉ.चौलेश्वर चंद्राकर को जांजगीर लोकसभा के समन्वयक की जिम्मेदारी

जांजगीर ,21 जनवरी 2023 (ए)। कांग्रेस नेता और जांजगीर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ.चौलेश्वर चंद्राकर को जाँजगीर लोकसभा के लिए समन्वयक बनाया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सहमति से लोकसभा के आरक्षित सीटों पर एलडीएम के तहत घोषणा की है।
छत्तीसगढ़ में ओबीसी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर को जाँजगीर चाँपा लोकसभा का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से जारी हुआ है। हांलांकि जांजगीर के अलावा सरगुजा के लिये अनुपम फिलिप, रायगढ़ के लिए अमित सिन्हा तथा कांकेर लोकसभा के लिए नरेश ठाकुर को नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों का उद्देश्य एसटी एससी इलाकों में लीडरशिप डेवलपमेंट को मजबूती देना है, इसी के तहत इन नेताओं को काम करना होगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)